संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

■ वर्ष -17 ■ अंक-139 ■ रायपुर, शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : षष्टी
नक्षत्र : ज्येष्ठा
प्रथम करण : कौलव
द्वितीय करण : तैतिल
पक्ष : शुक्ल
वार : गुरुवार
योग : शोभन
सूर्योदय : 06:23
सूर्यास्त : 17:49
चंद्रमा : धनु राशि में
राहुकाल : 10:40-12:06
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:43-12:29

शराब तस्करों की गोली से जवान की मौत

नालंदा। बिहार में शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के दौरान नालंदा जिले के गिरियक थाना क्षेत्र में गोली लगने से उत्पाद विभाग की EIB के आरक्षी अजीत कुमार की मौत हो गई। घटना के बाद विभाग में शोक का माहौल है। शाहिद अजीत कुमार नालंदा जिले के नगरनौसा थाना क्षेत्र के नगमा गांव के रहने वाले थे। जवान की मौत से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनकी सात साल की मासूम बेटी के सिर से पिता का साया उठ गया है। मिली जानकारी के अनुसार, झारखंड से पिकअप वैन के जरिए नालंदा में शराब की तस्करी किए जाने की गुप्त सूचना मिली थी। इसके आधार पर पटना से EIB की टीम नालंदा पहुंची थी। टीम संदिग्ध वाहन को रोकने का प्रयास कर रही थी। इसी दौरान पावापुरी जल मंदिर रोड से पहले फ्लाइवर जाने वाले रास्ते के पास गोली चलने की घटना हुई। गोली लगने से आरक्षी अजीत कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल जवान को आनन-फानन में पावापुरी स्थित वर्धमान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (विम्स) अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए पटना के PMCH रेफर कर दिया गया। हालांकि, इलाज के दौरान रात करीब डेढ़ बजे अजीत कुमार ने दम तोड़ दिया।

दिल्ली के रेस्तरां में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के मौजपुर इलाके में मंगलवार रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक रेस्तरां में अचानक आग लग गई। जाफराबाद मेन रोड स्थित 'उधम फिश प्वाइंट' नाम के रेस्तरां के किचन में आग लगने के बाद अंदर धुआं भर गया, जिससे घबराकर लोग अपनी जान बचाने के लिए बच्चों समेत पहली मंजिल की खिड़की से नीचे कूदने लगे। गनीमत यह रही कि नीचे खड़ी स्थानीय भीड़ ने तत्परता दिखाते हुए लोगों को बचा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस और दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, घटना मंगलवार रात करीब साढ़े 10 बजे वेलकम थाना क्षेत्र की है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की छह गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। रेस्तरां मालिक अब्दुल अजीम ने बताया कि आग किचन में रखे कूड़ेदान में लगी थी, जो देखते ही देखते पास में रखी खाद्य तेल की पेटी तक भी फैल गई। रेस्तरां कर्मचारियों ने अग्निशामक सिलेंडर का इस्तेमाल कर आग पर तो तुरंत काबू पा लिया।

नक्सलवाद की हर निशानी मिटाकर बस्तर को फिर से खुशहाल बनाना है : अमित शाह

नक्सलमुक्त बस्तर को अब तेज गति से विकास और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : विष्णुदेव साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा है कि नक्सलवाद समाप्त होने के बाद अब उससे मिले घावों पर मरहम लगाना, पीड़ितों का पुनर्वास करना और उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने के अवसर उपलब्ध कराना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। नक्सलवाद ने पाँच दशकों तक बस्तर के गरीब और आदिवासी परिवारों को गहरी पीड़ा दी है। अब हमें नक्सलवाद की हर निशानी मिटाकर बस्तर को फिर से हँसता-खेलता, खुशहाल और समृद्ध बनाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार प्रत्येक दिव्यांगजन और नक्सली हिंसा से प्रभावित व्यक्ति के पुनर्वास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस संकल्प को पूरा करने में भारत सरकार छत्तीसगढ़ सरकार के साथ चट्टान की तरह खड़ी है।



केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संचालित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत दंतेवाड़ा में आयोजित निःशुल्क दिव्यांगजन कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिविर के दूसरे चरण का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

दंतेवाड़ा में 15 से 17 अक्टूबर तक आयोजित तीन दिवसीय शिविर में दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिलों के कुल 768 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं विभिन्न सहायक उपकरणों से लाभान्वित किया जाएगा। इनमें दंतेवाड़ा जिले के 509, बीजापुर के 197 और सुकमा के 62 दिव्यांगजन शामिल हैं। शिविर का आयोजन भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर तथा सहयोगी संस्थाओं के सहयोग से किया जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में सेवा संकल्प अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ में नक्सली हिंसा से प्रभावित दिव्यांग आदिवासी भाई-बहनों को कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण प्रदान कर उनके जीवन को सुगम बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 5 से 7 अक्टूबर 2026 के दौरान जगदलपुर में आयोजित शिविर में 3,600 से अधिक दिव्यांगजन लाभान्वित हुए थे। इनमें अकेले बस्तर के 1,570 से अधिक लाभार्थी थे। यह संख्या बस्तर की उस पीड़ा का परिचय देती है, जिसे यहाँ के गरीब और आदिवासी परिवारों ने दशकों तक सहन किया है।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि नक्सलियों ने आईईडी विस्फोटों के माध्यम से निर्दोष नागरिकों को दिव्यांग बनाया। इससे बड़ा मानवाधिकारों का हनन कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 31 मार्च 2026 से पहले देश से नक्सलवाद समाप्त करने का दृढ़ संकल्प लिया था और आज नक्सलवाद समाप्त हो चुका है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि केवल नक्सलवाद समाप्त कर देने से पाँच दशकों की पीड़ा समाप्त नहीं होगी। हमें इन घावों पर मरहम लगाना होगा। नक्सली हिंसा से प्रभावित लोगों को फिर से अपने पैरों पर खड़ा करना होगा और उनके सम्मानपूर्वक जीवनयापन की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

उन्होंने कहा कि दिव्यांग भाई-बहनों को व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, बैसाखी, श्रवण यंत्र, स्मार्ट वॉकिंग स्टिक और कृत्रिम अंग जैसे उपकरण उपलब्ध कराकर उनके जीवन में नई खुशियाँ लाई जा सकती हैं। इस सेवा कार्य में छत्तीसगढ़ सरकार, जिला प्रशासन, समाज कल्याण विभाग, भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर और भारतीय जैन संघ सहित अनेक संस्थाओं का महत्वपूर्ण योगदान है।



केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने बस्तर के पारंपरिक जनजातीय नेतृत्व के सहयोग की भी सराहना करते हुए कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष और बस्तर में सकारात्मक परिवर्तन लाने के प्रयासों में स्थानीय जनजातीय समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

बस्तर ओलंपिक, बस्तर पंडुम और नियद नेल्लानार से बदल रही बस्तर की तस्वीर

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने बस्तर में शांति और विकास की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बस्तर ओलंपिक, बस्तर पंडुम, नियद नेल्ला नार और मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना जैसी पहलों के माध्यम से बस्तर को फिर से हँसता-खेलता बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया है।

नक्सलमुक्त बस्तर को देश का सबसे विकसित जनजातीय क्षेत्र बनाना हमारा लक्ष्य : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद की दशकों पुरानी चुनौती से मुक्ति मिली है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि हमारे वीर सुरक्षा बलों के अदम्य साहस, पराक्रम और बलिदान तथा बस्तर की जनता के सहयोग से संभव हुई है। मुख्यमंत्री ने नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों तथा नक्सली हिंसा में जान गंवाने वाले निर्दोष ग्रामीणों को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था, जब यह विश्वास करना कठिन लगता था कि छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो पाएगा। लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प से आज हमने यह लक्ष्य प्राप्त किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता और विशेष रूप से बस्तरवासियों की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध इस निर्णायक लड़ाई में बस्तर की जनता ने सुरक्षा बलों का भरपूर सहयोग किया। यहाँ के लोग भय और हिंसा से मुक्ति चाहते थे। वे शांति, सुरक्षा और विकास की मुख्यधारा से जुड़ना चाहते थे। जनता के इसी विश्वास और सहयोग ने इस अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के कारण बस्तर विकास की दौड़ में पीछे रह गया। अब समय आ गया है कि इस क्षेत्र को तेज गति से विकास के पथ पर आगे बढ़ाया जाए। हमारी सरकार का संकल्प है कि बस्तर को देश के सबसे विकसित जनजातीय क्षेत्रों में अग्रणी बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने बस्तर को देश का सबसे विकसित आदिवासी संभाग बनाने का भरोसा दिलाया है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से इस लक्ष्य को साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है।

हल्दी बीज वितरण में अनियमितता : कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने दिए जांच के निर्देश

रायपुर ■ दैनन्दिनी

कृषि विभाग के अनुशांगिक संस्था उद्यानिकी विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 में राज्य पोषित मसाला क्षेत्र विस्तार प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत हल्दी बीज वितरण में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की शिकायतों को गंभीरता से लिया है। कृषि मंत्री राम विचार नेताम के निर्देश पर मामले की जांच शुरु कर दी गई है और जांच के लिए संचालनालय स्तर से टीम भी गठित की गई है।

जिलों में हल्दी बीज वितरण से संबंधित शिकायतों के परिप्रेक्ष्य में संचालनालय, उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी द्वारा जिला अधिकारियों से हितग्राहीवार रोपित बीज की मात्रा, बीज प्रदायक संस्थाओं द्वारा प्रदाय बीज की मात्रा, गुणवत्ता और हल्दी बीज रोपण करने वाले कृषकों को भुगतान की गई अनुदान राशि की स्थिति सहित आवश्यक जानकारी और अभिलेख मांगे गए हैं।



उद्यानिकी विभाग द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि कृषकों द्वारा रोपित किये गये हल्दी बीज से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज, भुगतान संबंधी विवरण और फसल के भौतिक सत्यापन की जानकारी निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराई जाए, ताकि शिकायतों की तथ्यात्मक जांच कर शासन को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जा सके।

जांच प्रक्रिया के अंतर्गत किसानों के खेतों में रोपित हल्दी फसल की वास्तविक स्थिति, रोपित रकबा का सत्यापन करने के लिए डिजिटल क्रॉप सर्वे कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके साथ ही बीज वितरण से संबंधित अभिलेखों, बीज प्रदायक संस्थाओं के विवरण, देयकों, पंजीयन टैग और फसल के भौतिक सत्यापन की जानकारी का परीक्षण किया जाएगा। किसानों के खेतों में रोपित फसल के जीपीएस आधारित फोटोग्राफ भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अभिलेखों और वास्तविक स्थिति का मिलान किया जा सके।

बता दें कि राज्य में उद्यानिकी विभाग के माध्यम से राज्य पोषित योजनांतर्गत 1300 हेक्टेयर हल्दी क्षेत्र विस्तार का कार्यक्रम लिया जा रहा है। इस योजनांतर्गत स्वयं के स्तर से प्रमाणित हल्दी बीज का रोपण करने वाले कृषकों को प्रति हेक्टेयर 46 हजार रूपए तक अनुदान देने का प्रावधान है। योजनांतर्गत बीज की व्यवस्था स्वयं कृषक द्वारा की जाकर अनुदान हेतु आवेदन जिला अधिकारी को प्रस्तुत करने पर मैदानी अमले से सत्यापन उपरांत अनुदान की राशि कृषक के बैंक खाते में भुगतान की जाती है।

कृषकों द्वारा रोपित की गई हल्दी फसल के प्रमाणित बीज वितरण से संबंधित शिकायतों एवं सत्यापन की प्रक्रिया को देखते हुए विभाग द्वारा अनुदान भुगतान की कार्यवाही फिलहाल रोक दी गई है। कृषकों द्वारा प्रस्तुत किये गये अभिलेखों, रोपित बीज की मात्रा एवं रकबा तथा फसल की स्थिति के सत्यापन की जांच के बाद ही आगे की भुगतान प्रक्रिया के संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

मंत्री नेताम के निर्देश पर शुरु की गई जांच का उद्देश्य योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करना और पात्र किसानों तक योजना का लाभ पहुंचाना है।

एशियन गेम्स 2026 के पदकवीरों से पीएम मोदी ने की मुलाकात

'जुनून जब जीत में बदलता है तो मेडल पक्का है'

नई दिल्ली ■ एजेंसी



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एशियन गेम्स 2026 में भारत के लिए पदक जीतने वाले खिलाड़ियों से नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों की उपलब्धियों की तारीफ करते हुए कहा कि एशियाई खेलों में भारत की सफलता देश में बदलते खेल माहौल और युवाओं की क्षमता को दिखाती है। कार्यक्रम में भारतीय महिला और पुरुष हॉकी टीम ने पीएम मोदी को अपनी जर्सी भी भेंट की। जापान के आइची-नागोया में हुए एशियन गेम्स में भारत ने कुल 85 पदक अपने नाम किए। इनमें 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 37 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। इस बार भारत की ओर से 301 खिलाड़ियों का दल प्रतियोगिता में शामिल हुआ था। भारतीय खिलाड़ियों ने हॉकी, क्रिकेट, कबड्डी, तीरंदाजी, बॉक्सिंग, शूटिंग और कुश्ती समेत कई खेलों में पदक जीते।

महिला हॉकी टीम ने 44 साल बाद दिलाया गोल्ड

एशियन गेम्स में भारतीय महिला हॉकी टीम की जीत खास रही। टीम ने फाइनल मुकाबले में चीन को 1-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। इस जीत के साथ भारतीय महिला हॉकी टीम ने 44 साल का इंतजार खत्म किया। इससे पहले भारत ने 1982 में दक्षिण कोरिया को हराकर महिला हॉकी में गोल्ड मेडल जीता था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने भी गोल्ड मेडल अपने नाम किया। फाइनल में भारत ने मलेशिया को 5-1 से हराया।

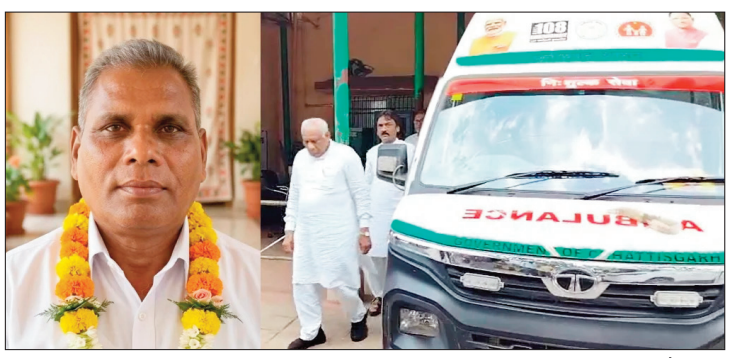
दोनों टीमों की जीत के साथ भारत ने हॉकी में अपना दबदबा दिखाया। महिला और पुरुष हॉकी टीमों ने पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान उन्हें अपनी जर्सी भेंट की। दोनों टीमों ने एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने के साथ 2028 में अमेरिका के लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए भी क्वालिफाई किया।

विधायक मोहले के भाई समेत तीन लोगों की मौत

तेज रफ्तार पिकअप ने मारी टक्कर

मुंगेली ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के दशरंगपुर गांव में गुरुवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले के भाई अधीन मोहले समेत तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में अधीन मोहले, निवासी आवासपारा दशरंगपुर, बल्लू बघेल, पिता तिजऊ राम तथा गंगा राम, निवासी रेहुंटा शामिल हैं। हादसे की खबर फैलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक पुन्नूलाल मोहले जिला अस्पताल पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद उन्होंने तीनों मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं विधायक के समर्थक और भाजपा नेता-कार्यकर्ता भी जिला



अस्पताल पहुंचने लगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा विधायक पुन्नूलाल मोहले के गृह ग्राम दशरंगपुर में हुआ। उनके भाई अधीन मोहले भी इसी गांव के निवासी थे। बताया जा रहा है कि गुरुवार सुबह करीब 6 बजे अधीन मोहले मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। इस दौरान वे अपने घर के बाहर सड़क किनारे खड़े होकर कुछ लोगों से चर्चा कर रहे थे। इसी बीच तेज रफ्तार और अनियंत्रित पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि अधीन मोहले समेत तीन लोगों की जान चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के अनुसार, दुर्घटना के बाद पिकअप वाहन मौके से फरार हो गया। वाहन किसका है, उसे कौन चला रहा था और उसका पंजीयन नंबर क्या है, इसकी स्पष्ट जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि सीसीटीवी कैमरों में एक पिकअप वाहन नजर आया है, जो तखतपुर की ओर से मुंगेली की तरफ जा रहा था। इसी दौरान दशरंगपुर में हादसा होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और वाहन की पहचान करने के साथ ही चालक की तलाश में जुटी हुई है। हालांकि, फुटेज में नजर आए वाहन की दुर्घटना में संलिप्तता की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

सुप्रीम कोर्ट में विपक्षी मार्च पर सीजेआई सख्त, कहा- न्यायपालिका को कोई डरा नहीं सकता

नई दिल्ली ■ एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने 12 अक्टूबर को अदालत परिसर तक विपक्षी नेताओं के मार्च के खिलाफ दायर याचिका पर राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और अखिलेश यादव समेत अन्य को नोटिस जारी किया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि अदालत को कोई धमका नहीं सकता और पीठ को बाहर दिए जा रहे बयानों की पूरी जानकारी है। याचिकाकर्ताओं ने परिसर में राजनीतिक प्रदर्शनों पर रोक और सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने की मांग की है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने बृहस्पतिवार को कहा कि न्यायपालिका को कोई भी डरा-धमका नहीं सकता और अदालत जानती है कि बाहर क्या बयान दिए जा रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने यह बात कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कई अन्य विपक्षी नेताओं द्वारा 12 अक्टूबर को उच्चतम न्यायालय तक किए गए मार्च से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई के दौरान कही। प्रधान न्यायाधीश और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने, शीर्ष अदालत तक मार्च करने के खिलाफ दायर याचिका पर गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा, कांग्रेस पार्टी, केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी और अन्य को नोटिस जारी किये।

जेलर 2 पर विद्या बालन बोलीं-तड़का सबने लगाया पर असली जायका तो रजनीकांत ही हैं



मुंबई (एजेंसी)। विद्या बालन हमेशा अपनी अलगग-अलग पटकथाओं और भूमिकाओं से दर्शकों को चौंकाती हैं। हिंदी सिनेमा में सफलता के बाद अब वो नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म जेलर 2 से एक बार फिर साउथ का रुख कर रही हैं। फिल्म में विद्या कांता का किरदार निभाएंगी, जिसकी पारिवारिक भावनाएं बेहद मजबूत हैं। भारतीय सिनेमा के थलाइवा रजनीकांत के साथ उन्होंने पहली बार स्क्रीन शेयर की है। हाल ही में विद्या ने अपनी इस फिल्म और किरदार पर खुलकर बात की।

विद्या ने कहा, मैं जानती थी कि जेलर रजनीकांत की फिल्म है, क्योंकि मैंने ये फिल्म देखी है और मुझे यह बेहद पसंद आई थी। रजनीकांत की फिल्म तो रजनीकांत की ही होती है। मुझे खुशी है कि नेल्सन ने कांता जैसे दिलचस्प किरदार के लिए मुझे चुना। रजनी सर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए बहुत बड़े सम्मान और गर्व की बात है।

विद्या ने आगे इशारा किया कि फिल्म में दर्शकों के लिए बड़ा सरप्राइज क्या होगा। अपनी भूमिका पर बात करते हुए उन्होंने कहा, कांता मेरे लिए एक बेहद दिलचस्प किरदार है। वो अपने परिवार से बेइंतहा प्यार करती है और उनकी रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। जेलर यूनिवर्स में हर कोई अपना खास तड़का लगाता है, लेकिन असली पकवान तो हमेशा रजनीकांत ही होते हैं।

जेलर 2 को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) से यू/ए 16+ सर्टिफिकेट मिल गया है। फिल्म करीब 2 घंटे 45 मिनट की है।

सीक्वल में राम्या कृष्णन, योगी बाबू और मिरना वापसी कर रहे हैं, वहीं एसजे सूर्या, सूरज वेंजरामूडू, मिथुन चक्रवर्ती, अन्ना राजन और जतिन सरना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

2023 की ब्लॉकबस्टर का हिस्सा रहे मोहनलाल और शिव राजकुमार इस सीक्वल में भी दिखाई देंगे। इसके साथ ही विजय सेतुपति भी फिल्म का हिस्सा हैं।

साल 2023 में रिलीज हुई जेलर तमिल सिनेमा की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में शामिल रही, जिसने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए थे। उधर फिल्म में रजनीकांत ने भी अपने अंदाज से खूब वाहवाही लूटी थी।

अब कलानिधि मारन के सन पिक्चर्स बैनर तले बनी इसका सीक्वल जेलर 2 भी तहलका मचाने के लिए तैयार है। यह धमाकेदार मल्टीस्टारर फिल्म 15 अक्टूबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है।

नई नवेली पर यामी गौतम बोलीं- यह फिल्म मेरा चुलबुला अंदाज दिखाएगी

मुंबई (एजेंसी)। यामी गौतम अपनी आने वाली फिल्म नयी नवेली से दर्शकों को कुछ नया दिखाने वाली हैं। यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें यामी मोहिनी नाम की एक चुलबुली और शरारती दुल्हन का किरदार निभा रही हैं।

उन्होंने पहले ऐसा किरदार कभी नहीं निभाया है। बालाजी मोहन ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। यह फिल्म यामी को अपना एक सहज और बिंदास अंदाज दिखाने का मौका देगी।

जी वी प्रकाश कुमार ने इसका दमदार म्यूजिक तैयार किया है और विजय गांगुली ने अपनी मजेदार कोरियोग्राफी से गानों में चार चांद लगाए हैं।

यह फिल्म मेरठ की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें मोहिनी एक ऐसी लड़की है, जो ऊपर से तो एक आदर्श दुल्हन दिखती है, लेकिन अपने अंदर एक अलौकिक रहस्य छिपाए हुए है।

यह रहस्य भारतीय पौराणिक कथाओं से प्रेरित है। फिल्म को हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। इसका निर्माण आनंद एल राय और शर्मा ने कलर येलो के बैनर तले किया है।

कलर येलो प्रोडक्शन हाउस पहली बार अमेजन एमजीएम स्टूडियोज के साथ मिलकर काम कर रहा है। नयी नवेली में दर्शकों को कुछ ऐसे मोड़ देखने को मिलेंगे, जिनकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी।

यामी हाल ही में फिल्म धुरंधरः द रिवेंज में एक छोटे भूमिका में दिखाई दी थीं। इसके अलावा, पिछले कुछ सालों में उन्होंने हक और आर्टिकल 370 जैसी फिल्मों में भी मुख्य भूमिका निभाई हैं।

दृश्यमः द कन्क्लूजन ने 12वें दिन लगाई दहाड़



मुंबई (एजेंसी)। अजय देवगन की फिल्म दृश्यमः द कन्क्लूजन ने सिनेमाघरों में 12 दिन पूरे कर लिए हैं। इसने दूसरे हफ्ते में 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था, लेकिन 11वें दिन कलेक्शन में मंदी देखी गई। इसके बावजूद यह अजय के करियर की सबसे बड़ी फिल्म बन चुकी है। रिलीज के 12वें दिन फिल्म ने फिर दम दिखाया और दुनियाभर से 500 करोड़ रुपये बटोर लिए। अब दृश्यम 3 की नजरें हनुमान अंश के कलेक्शन को पीछे छोड़ने पर हैं।

सैकनिल्क के मुताबिक, दृश्यमः द कन्क्लूजन ने रिलीज के 12वें दिन (दूसरा मंगलवार) 8.50 करोड़ रुपये कमाए हैं, जो 11वें दिन हुई कमाई 6 करोड़ के मुकाबले ज्यादा है।

इस तरह फिल्म ने घरेलू स्तर पर 323.50 करोड़ रुपये का नेट कारोबार कर लिया है।

विदेशों में, फिल्म ने 12वें दिन 2.50 करोड़ कमाए, जिससे इसकी कुल विदेशी कमाई अब तक 114 करोड़ रुपये हो गई है। इसके साथ ही वैश्विक कुल कलेक्शन 501.80 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

फिल्म 12 दिनों में 323.50 करोड़ रुपये कमा चुकी है। उम्मीद की जा रही है कि वीकेंड तक यह हनुमान अंश (337 करोड़) की घरेलू कमाई को पीछे छोड़ देगी और साल की तीसरी सबसे बड़ी फिल्म बन जाएगी।

इसके बाद सनी देओल की बॉर्डर 2 (नेट 330.50 करोड़) के कलेक्शन को पार करने की चुनौती होगी।

बता दें, अभिषेक पाठक द्वारा निर्देशित दृश्यम 3 में अजय के अलावा, तब्बू, जयदीप अहलावत और श्रिया सरन भी हैं।

महेश भट्ट की फिल्म नाम-टू लिव इज वॉर से जुड़े 3 नए चेहरे वीर पहाड़िया-वरुण शर्मा निभाएंगे मुख्य किरदार





मुंबई (एजेंसी)। महेश भट्ट ने इस साल अपनी नई फिल्म नाम- टू लिव इज वॉर का ऐलान किया था। यह एक डार्क एक्शन-थ्रिलर बताई जा रही है, जिसमें वीर पहाडिय़ा और वरुण शर्मा मुख्य किरदारों में दिखेंगे। फिल्म का निर्माण उत्सव एंटरटेनमेंट एंड प्रोडक्शंस के बैनर तले रिद्धि चावड़ा और उत्सव उपाध्याय मिलकर करेंगे, जबकि निर्देशन की जिम्मेदारी सिद्धांत सचदेव ने उठाई है। अपडेट है कि परियोजना में 3 नए चेहरे प्रशांत नारायणन, शेफाली बग्गा और विजयांत कोहली शामिल हो गए हैं।

निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर आधिकारिक ऐलान किया है कि फिल्म नाम- टू लिव इज वॉर में वीर और वरुण के अलावा प्रशांत, शेफाली और विजयांत को शामिल किया गया है।

हालांकि, उनके किरदारों को लेकर कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। यह फिल्म प्रेम और एक्शन का एक अनोखा संगम दिखाने का वादा करती है, जिसमें वीर को एक दमदार और आक्रामक अंदाज में देखा जाएगा। वहीं, वरुण पहली बार नकारात्मक किरदार में दिखेंगे।

महेश के मार्गदर्शन में बन रही इस फिल्म की कहानी सिद्धांत, सुहिता दास और श्वेता बोथरा ने मिलकर लिखी है। इसमें दमदार एक्शन, गहरा रोमांस और शानदार गाने देखने को मिलेगा।

निर्माताओं ने रिलीज तारीख का ऐलान अभी नहीं किया है, लेकिन इसे 2027 तक रिलीज करने की योजना है। काम के मोर्चे पर, वीर को आखिरी बार प्रेम कीटाणु में देखा गया था, जो 2 अक्टूबर को रिलीज हुई। वहीं, वरुण फिल्म राहु केतु (2026) में नजर आए थे।

सेहत

स्टील के बर्तनों से जिद्दी दाग हटाने के लिए अपनाएं ये तरीके



स्टील के बर्तन रसोई के लिए एक बेहतरीन विकल्प होते हैं क्योंकि इन्हें साफ करना आसान होता है और ये लंबे समय तक चलते हैं। हालांकि, इन पर जिद्दी दाग लगना आम बात है और इन्हें हटाना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इस लेख में हम कुछ आसान और असरदार घरेलू नुस्खों के बारे में जानेंगे, जिनसे आप अपने स्टील के बर्तनों को नए जैसा चमका सकते हैं।

बेकिंग सोडा और पानी का घोल लगाएं

बेकिंग सोडा एक ऐसा सामग्री है, जो कई घरेलू कामों में इस्तेमाल होता है। आप इसे स्टील के बर्तनों पर लगे दागों को हटाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

इसके लिए एक पेस्ट तैयार करें, जिसमें बेकिंग सोडा और पानी मिलाकर गाढ़ा बनाया जाए। इस पेस्ट को दाग वाली जगह पर लगाकर कुछ मिनट छोड़ दें, फिर नरम स्पंज से रगड़कर पानी से धो लें। इससे दाग आसानी से हट जाएगा।

सिरका और नमक का मिश्रण बनाएं

सिरका और नमक का मिश्रण भी स्टील के बर्तनों की सफाई के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है।

इसके लिए एक कप सिरके में 2 चम्मच नमक मिलाएं और इसे दाग वाली जगह पर डालकर कुछ मिनट छोड़ दें। इसके बाद नरम स्पंज या ब्रश से रगड़ें। इससे दाग आसानी से हट जाएगा और आपका बर्तन नया जैसा दिखेगा।

यह तरीका खासकर उन जगहों पर प्रभावी होता है, जहां दाग बहुत गहरा हो गया हो।

नींबू का रस लगाएं

नींबू का रस प्राकृतिक तौर पर खट्टा होता है, जो दागों को ढीला कर देता है।

इसके लिए एक नींबू काटकर उसका रस दाग वाली जगह पर निचोड़ें और कुछ देर के लिए छोड़ दें, फिर गीले कपड़े या स्पंज से साफ करें। इससे आपका स्टील का बर्तन चमक उठेगा और सभी जिद्दी दाग आसानी से हट जाएंगे।

यह तरीका न केवल असरदार है, बल्कि आपके बर्तनों को नया जैसा भी दिखाता है।

गर्म पानी का उपयोग करें

गर्म पानी का उपयोग करके भी आप अपने स्टील के बर्तनों को साफ कर सकते हैं।

इसके लिए गर्म पानी भरें और उसमें थोड़ा सा डिटर्जेंट पाउडर मिलाएं, फिर इसमें दाग वाले बर्तन डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके बाद नरम स्पंज से रगड़ें।

इससे सभी गंदगी और चिकनाई आसानी से निकल जाएगी। इस तरीके से आपके बर्तन जल्दी साफ हो जाएंगे और वे नए जैसे दिखेंगे।

ऐसीटोन का इस्तेमाल करें

अगर ऊपर बताए गए तरीके काम न करें तो ऐसीटोन का इस्तेमाल किया जा सकता है।

इसके लिए एक कपड़े पर थोड़ा एसिटोन लगाकर उसे दाग वाली जगह पर रगड़ें। इससे दाग तुरंत हट जाएगा और आपका स्टील का बर्तन नया जैसा दिखेगा।

इन सभी घरेलू तरीकों को अपनाकर आप अपने स्टील के बर्तनों को आसानी से साफ रख सकते हैं और वे लंबे समय तक टिके रहेंगे। **(एजेंसी)।**

लूज मोशन होने पर क्या खाना है फायदेमंद? डॉक्टर ने बताए डाइट में शामिल करने वाले फूड्स



केला: डॉक्टर शुभम वत्स कहते हैं कि केला में प्रचुर मात्रा में सॉल्युबल फाइबर यानी घुलनशील फाइबर होता है जो लूज़ स्टूल यानी दस्त की स्थिति में उसे बांधने और ठोस रूप देने में मदद करता है। साथ ही पोटेशियम भी प्रोवाइड करता है जो डायरिया में बहुत ज़्यादा लूज़ होता है।

चावल: अगर आपको लूज़ मोशन हो रहा है तो अपनी डाइट में सफेद चावल को शामिल करें। डॉक्टर शुभम वत्स कहते हैं कि प्लेन राइस में लो फाइबर होता हैं और ये आसानी से पचने में सहायक होते हैं जिससे इरिटेडेड गट पर जेंटली काम करते हैं।

दही: अगर आप डेरी प्रोडक्ट्स का सेवन करते हैं तो लूज़ मोशन होने पर अपनी डाइट में दही को ज़रूर शामिल करें। दरअसल, दही के प्रोबायोटिक्स गट माइक्रोबायोम को सपोर्ट करने में मदद करते हैं। लेकिन डायरिया होने पर दही में चीनी मिलाकर या स्वीटनर का इस्तेमाल न करें वरना आपको कोई फायदा नहीं होगा।

नारियल का पानी: डायरिया या लूज़ मोशन होने पर अपनी डाइट में नारियल का पानी ज़रूर शामिल करें। इसमें मौजूद पोटेशियम और तरल पदार्थ शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में मदद करते हैं। हालांकि, अगर लूज मोशन ज्यादा हो रहे हैं, तो नारियल पानी को ओआरएस का विकल्प न समझें। दस्त के दौरान शरीर में पानी और जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी पूरी करने के लिए ओआरएस का घोल ज्यादा जरूरी है।

खिचड़ी: लूज मोशन होने पर चावल और मूंग दाल से बनी हल्की खिचड़ी खाना फायदेमंद हो सकता है। खिचड़ी आसानी से पच जाती है इससे आपको कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन मिलता है और पेट पर दबाव भी नहीं पड़ता है ।

नाशपाती/केला : जानिए इनमें से किसका सेवन है अधिक लाभदायक



केला और नाशपाती दोनों ही लोकप्रिय फल हैं, जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पौष्टिक भी होते हैं। हालांकि, कई लोग इन्हें लेकर उलझन में रहते हैं कि इनमें से किसका सेवन अधिक फायदेमंद है। केला और नाशपाती के पोषक तत्वों और स्वास्थ्य लाभों की तुलना करके हम इस सवाल का जवाब ढूंढ सकते हैं। आइए जानते हैं कि इनमें से किसका सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहतर है।

केले का सेवन स्वास्थ्य के लिए है लाभदायक

केला पोटेशियम, विटामिन-सी, विटामिन-बी6 और फाइबर का अच्छा स्रोत है। यह ऊर्जा देने वाला फल है और जल्दी पच जाता है।

केले में ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से लडऩे में मदद करते हैं। यह दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद है और पाचन तंत्र को सुधारता है।

इसके अलावा केले का सेवन मूड को बेहतर करने, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने और वजन नियंत्रित करने में भी मदद कर सकता है।

नाशपाती के सेवन से मिल सकते हैं कई स्वास्थ्य लाभ

नाशपाती विटामिन-सी, विटामिन-के, फाइबर और ऐसे तत्वों से भरपूर होता है, जो शरीर को नुकसान से बचाते हैं। यह पाचन को सुधारने और कब्ज से राहत दिलाने में मदद कर सकता है।

नाशपाती में पानी की मात्रा ज्यादा होती है, जो शरीर को तरोताजा रखती है और त्वचा को स्वस्थ बनाए रखती है।

इसके अलावा यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने, वजन नियंत्रित करने और दिल की बीमारियों से बचाए रखने में भी सहायक हो सकता है।

केला और नाशपाती में से किसका चयन करना चाहिए?

दोनों फल पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, लेकिन केले में पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है, जो दिल की सेहत के लिए फायदेमंद है।

दूसरी ओर, नाशपाती में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जो पाचन के लिए लाभकारी है।

अगर आपको ऊर्जा की जरूरत हो तो केला चुनें और अगर आपको पाचन संबंधी समस्याएं हैं तो नाशपाती बेहतर विकल्प हो सकता है। यह आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है।

केला और नाशपाती का सेवन करने का सही तरीका

केले को कच्चा खाया जा सकता है या फिर इसे पेय पदार्थों और मिठाई में इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं नाशपाती को कच्चा खाने के अलावा इसका रस या फिर सलाद में भी शामिल किया जा सकता है।

दोनों फल बिना किसी प्रोसेसिंग के अपने प्राकृतिक रूप में सबसे ज्यादा फायदेमंद होते हैं। इसलिए इन्हें अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। यह आपकी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। **(एजेंसी)।**

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

सरई पतेरा स्कूल की छत मरम्मत के लिए 50 हजार रुपए स्वीकृत

कवर्धा। कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड के सरई पतेरा में प्राथमिक शाला भवन की छत मरम्मत के लिए 50 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं। विद्यार्थियों की पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी की गई है। मिडिल स्कूल में दो शिफ्ट में कक्षाएं लगाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उपलब्ध कक्षों का बेहतर उपयोग हो सके और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्राथमिक शाला का भवन जर्जर होने के कारण फिलहाल वहां कक्षाओं का संचालन नहीं किया जा रहा है। स्कूल में 71 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनकी कक्षाएं वर्तमान में मिडिल स्कूल के बरामदे में लगाई जा रही हैं। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भवन की छत मरम्मत के लिए राशि स्वीकृत की गई है।विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बोड़ला की मांग के आधार पर वित्तीय वर्ष 2025-26 में मरम्मत कार्य के लिए 50 हजार रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत राशि जिला पंचायत को भेज दी गई है, जिससे मरम्मत संबंधी आवश्यक कार्रवाई की जा सके। मिडिल स्कूल में कक्षों की उपलब्धता सीमित होने के कारण प्राथमिक शाला और मिडिल स्कूल के विद्यार्थियों की पढ़ाई सुचारू रखने के लिए दो शिफ्ट में कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे मरम्मत कार्य की प्रक्रिया के साथ ही विद्यार्थियों की पढ़ाई जारी रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

9.5 लीटर महुआ शराब जब्त

महासमुंद। बसना पुलिस ने ग्राम जर्रा के नरसिंगपुर मोड़ पुलिया के पास कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति के कब्जे से करीब 9.5 लीटर महुआ शराब बरामद की है। जब्त शराब की कीमत करीब 1,900 रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि नरसिंगपुर मोड़ पुलिया के पास विक्रम बेहरा महुआ शराब लेकर ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदेही को घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम जर्रा निवासी विक्रम बेहरा (40) बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से करीब साढ़े 9 लीटर महुआ शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया है।

अवैध खनिज परिवहन पर कार्रवाई, 8 वाहन जब्त

अम्बिकापुर। जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर लगातार कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में 14 एवं 15 अक्टूबर 2026 को खनिज अमले द्वारा अंबिकापुर एवं सीतापुर क्षेत्र में वाहनों की जांच की गई। इस दौरान बिना अभिवहन पास के खनिज रेत एवं ईंट का परिवहन करते पाए जाने पर तीन टिपर और पांच ट्रैक्टर सहित कुल आठ वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। जिला खनि अधिकारी ने बताया कि बिना वैध अभिवहन पास के खनिज परिवहन करते पाए जाने पर तीन टिपर वाहनों को जब्त कर कलेक्टर परिसर अंबिकापुर में रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कोलता समाज के नुआखाई भेंटघाट एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में की 80 लाख रुपए के सामुदायिक भवनों की घोषणा

किसानों की खुशहाली और समृद्धि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि किसानों की खुशहाली और समृद्धि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था और संस्कृति के केंद्र में हमारे अन्नदाता हैं। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

हमारा प्रयास है कि सुशासन और जनसेवा के माध्यम से विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और छत्तीसगढ़ का प्रत्येक परिवार प्रदेश की विकास यात्रा में सहभागी बने। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज रायगढ़ के शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्टेडियम में आयोजित कोलता समाज के नुआखाई भेंटघाट एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री साय का समाजजनों ने पारंपरिक गजमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने माँ रणेश्वरी रामचण्डी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ग्राम कोतरलिया के चंडी डोंगरी में सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए 30 लाख रुपए तथा नगर पंचायत पुसौर में कोलता समाज के मंगल भवन के निर्माण के लिए 50 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने बाउंड्रीवॉल निर्माण की भी घोषणा की।

नुआखाई अन्नदाता के परिश्रम और नई फसल की खुशियों का पर्व

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कोलता समाज सहित सभी प्रदेशवासियों को नुआखाई पर्व की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नुआखाई हमारी समृद्ध कृषि संस्कृति से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यह नई फसल के स्वागत, अन्नदाता के परिश्रम के सम्मान और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का उत्सव है। ऐसे पर्व हमारी परंपराओं को जीवंत रखने के साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और जड़ों से जोड़ते हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान प्रदेश है और हमारी सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों को उनकी मेहनत का उचित प्रतिफल मिले, खेती की लागत कम हो, सिंचाई की सुविधा बढ़े और कृषि के माध्यम से परिवारों में समृद्धि आए, इसी सोच के साथ सरकार लगातार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रायगढ़ अंचल के किसानों के खेतों तक सिंचाई का पानी पहुँचाने के लिए केलो परियोजना का कार्य प्रारंभ किया गया है। यह परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगी। सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से खेती की उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास को नई गति देने के लिए 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की नई परियोजनाएँ शुरू की गई हैं। सरकार का प्रयास है कि अधोसंरचना के विकास का सीधा लाभ आम नागरिकों, किसानों, युवाओं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिले।

हर जरूरतमंद परिवार के पक्के घर का सपना हो रहा साकार

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब और जरूरतमंद परिवारों के पक्के घर के सपने को तेजी से साकार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में प्रतिदिन लगभग 1,600 आवासों का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि अपना पक्का घर केवल चार दीवारें और छत नहीं, बल्कि गरीब परिवार के लिए सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य का आधार है। हमारी सरकार का प्रयास है कि कोई भी पात्र जरूरतमंद परिवार पक्के आवास से वंचित न रहे।

सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवा सरकार की कार्यसंस्कृति

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवा को अपनी कार्यसंस्कृति का आधार बनाया है। आम नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए भटकना न पड़े और शासन तक उसकी पहुँच आसान हो, इसके लिए तकनीक और आधुनिक व्यवस्थाओं का उपयोग किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों के त्वरित तथा समयबद्ध निराकरण के लिए सुशासन एवं अभिसरण विभाग, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सेवा सेतु और अटल डिजिटल सेवा केंद्र जैसी व्यवस्थाएँ प्रारंभ की गई हैं। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से नागरिकों की शिकायतों के समयबद्ध समाधान की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के अनुरूप राज्य सरकार ने अपने ढाई वर्षों के कार्यकाल में अधिकांश वादों को पूरा किया है। शासन की योजनाएँ तभी सार्थक होती हैं, जब उनका लाभ जरूरतमंद व्यक्ति तक समय पर पहुँचे। इसलिए सरकार की प्राथमिकता योजनाओं और सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है।

नक्सलवाद के विरुद्ध मिली ऐतिहासिक सफलता, अब विकास की नई यात्रा

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रदेश में नक्सलवाद को समाप्त करने की दिशा में ऐतिहासिक सफलता मिली है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प के साथ हमारे वीर सुरक्षा बलों के साहस तथा स्थानीय जनता के सहयोग से बस्तर में शांति और विश्वास का नया वातावरण बना है।

उन्होंने कहा कि नक्सलवाद से जुड़े लोगों को हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में वापस आने का अवसर दिया जा रहा है। आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास के लिए 15 हजार आवास स्वीकृत किए गए हैं। हमारा उद्देश्य शांति की स्थापना के साथ प्रभावित परिवारों का पुनर्वास करना और उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने के अवसर प्रदान करना है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नक्सलवाद की चुनौती से आगे बढ़ता छत्तीसगढ़ अब विकास, विश्वास और समृद्धि की नई पहचान बना रहा है। बस्तर सहित प्रदेश के हर क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समारोह में समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति, परिवार और समाज की प्रगति का सबसे सशक्त माध्यम है। आज का युवा अपनी मेहनत, प्रतिभा और आधुनिक शिक्षा के बल पर किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकता है।

उन्होंने विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए परिश्रम करने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा अपनी प्रतिभा से परिवार और समाज के साथ छत्तीसगढ़ का नाम भी देश-दुनिया में रोशन करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज द्वारा प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान करने की परंपरा सराहनीय है। इससे बच्चों और युवाओं को बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है तथा समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार होता है।

कलेक्टर ने दुलदुला विकासखंड में स्कूल भवनों, जल जीवन मिशन और निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने विकासखंड दुलदुला के विभिन्न ग्राम पंचायतों का व्यापक दौरा कर शैक्षणिक संस्थानों, स्कूल मरम्मत कार्यों, जल जीवन मिशन के तहत निर्मित पानी टंकियों तथा अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, पूर्णता की स्थिति और आम नागरिकों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। अपूर्ण एवं गुणवत्ताविहीन कार्यों पर नाराजगी जताते हुए संबंधित निर्माण एजेंसियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर व्यास ने ग्राम पंचायत बरपानी में निर्माणाधीन हायर सेकेंडरी स्कूल भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसी को शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात उन्होंने बरपानी में जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित पानी टंकी का निरीक्षण किया। योजना के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति जानने के लिए वे स्थानीय परिवार के घर भी पहुंचे और पेयजल आपूर्ति के संबंध में जानकारी ली।

इसके बाद ग्राम पंचायत कशीबन्ध के आंगनबाड़ी केंद्र एवं प्राथमिक शाला का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। ग्राम पंचायत कस्तूरा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्कूल मरम्मत कार्यों का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने वर्ष 2024-25 के मरम्मत कार्य अब तक पूर्ण नहीं होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसी के विरुद्ध कार्य निरस्त करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में ग्राम पंचायत कोरना के शासकीय प्राथमिक शाला का निरीक्षण किया गया।

पीएम सूर्य घर योजना से बिजली उपभोक्ता से ऊर्जा उत्पादक बने कृष्ण कुमार गुप्ता

रायपुर ■ दैनन्दिनी



कभी घर की बिजली जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह विद्युत आपूर्ति पर निर्भर रहने वाले सरगुजा जिले के अम्बिकापुर निवासी श्री कृष्ण कुमार गुप्ता अब स्वयं बिजली का उत्पादन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत उन्होंने अपने घर की छत पर 5 किलोवाट क्षमता का सोलर सिस्टम स्थापित किया है, जिससे प्रतिदिन लगभग 20 यूनिट बिजली का उत्पादन हो रहा है। यह बिजली उनके परिवार की दैनिक घरेलू खपत से भी अधिक है। सौर ऊर्जा के उपयोग से जहां बिजली बिल के खर्च में राहत मिल रही है, वहीं कृष्ण कुमार अब स्वयं को केवल बिजली उपभोक्ता नहीं, बल्कि ऊर्जा उत्पादक के रूप में देख रहे हैं। उनके लिए यह बदलाव आर्थिक बचत के साथ स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर शुरू की गई पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से घरों की छतों पर सोलर सिस्टम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में भी नागरिकों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहन एवं निर्धारित प्रावधानों के अनुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत सामने आई कृष्ण कुमार गुप्ता की कहानी दर्शाती है कि शासकीय सहयोग और आधुनिक तकनीक के उपयोग से परिवार अपनी बिजली जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा स्वयं पूरा करने के साथ बिजली खर्च में बचत कर सकते हैं।

ठाकुर देव मंदिर से 70–80 वर्ष पुरानी मूर्ति चोरी, सर्व समाज में आक्रोश

मोहल्लेवासियों ने पंडरिया थाने में सौंपा ज्ञापन

पंडरिया (दैनंदिनी ब्यूरो)। क्षेत्र के खेत में स्थित ठाकुर देव मंदिर से प्राचीन मूर्ति चोरी होने की घटना से सर्व समाज के लोगों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। घटना लगभग 8 अक्टूबर की बताई जा रही है। मंदिर में स्थापित ठाकुर देव की प्राचीन मूर्ति पिछले 70 से 80 वर्षों से श्रद्धा और आस्था का केंद्र रही है। यहां नियमित रूप से पूजा-अर्चना की जाती थी। मूर्ति चोरी होने की जानकारी मिलने के बाद क्षेत्र के लोगों में रोष है।

इस घटना के विरोध में कुशाल बंद पारा, बैरागपारा एवं सिसोदिया नगर के वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं सहित सर्व समाज के सैकड़ों लोगों ने एकजुट होकर पंडरिया थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई तथा पुलिस प्रशासन से मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की। मोहल्लेवासियों ने बताया कि ठाकुर देव मंदिर क्षेत्र के लोगों की धार्मिक आस्था से जुड़ा प्रमुख स्थल है। यहां वर्षों से श्रद्धालु ग्राम देवता के रूप में ठाकुर देव की पूजा-अर्चना



करते आ रहे हैं।

बुधवार को भी मोहल्लेवासी एकत्रित होकर ठाकुर देव मंदिर परिसर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना की तथा पारंपरिक रूप से गाना-बजाना कर अपनी आस्था व्यक्त की। मूर्ति चोरी की घटना को लेकर लोगों ने चिंता जताते हुए प्रशासन से जल्द से जल्द मूर्ति बरामद करने की मांग की।

सर्व समाज के नागरिकों ने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन से मांग की है कि घटना को गंभीरता से लेते हुए चोरी में संलिप्त लोगों की पहचान की जाए, दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए तथा प्राचीन मूर्ति को अविलंब बरामद कर मंदिर में पुनः स्थापित किया जाए।

इस संबंध में सैकड़ों मोहल्लेवासियों के द्वारा हस्ताक्षर युक्त थाना पंडरिया में ज्ञापन सौपा गया जिसमें प्रमुख रूप से घनश्याम साहू,, कृपाल साहू नरोत्तम साहू,संदीप साहू, वीरेंद्र साहू , मनीराम साहू,दुखवा यादव,रामावतार जायसवाल, पितराम मनोहर, संतोष, राजा जायसवाल, प्यारे, दशरू, सावंत,राजेश साहू जागेश्वर निषाद उपस्थित थे।

कोलेगांव में 51.61 लाख रुपए से मिनी स्टेडियम का निर्माण पूरा

ग्रामीण युवाओं को खेल सुविधाओं के विस्तार का मिलेगा लाभ, तकनीकी मार्गदर्शन में निर्धारित प्राक्कलन के अनुरूप हुआ निर्माण

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले के ग्राम पंचायत कोलेगांव में ग्रामीण युवाओं को खेलकूद के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में 51.61 लाख रुपए की लागत से मिनी स्टेडियम का निर्माण पूरा कर लिया गया है। इससे गांव के युवाओं को खेल गतिविधियों के लिए उपयुक्त स्थान मिलेगा और स्थानीय स्तर पर खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। मिनी स्टेडियम निर्माण के लिए मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के अंतर्गत 31.61 लाख रुपए तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत 20 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई थी। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत कोलेगांव के सरपंच को सौंपी गई थी।

निर्माण कार्य ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, कबीरधाम के कार्यपालन अभियंता द्वारा तैयार प्राक्कलन के अनुसार कराया गया। अनुविभागीय अधिकारी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग पंडरिया तथा क्षेत्रीय तकनीकी अधिकारी के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में यह कार्य 5 अक्टूबर 2023 को प्रारंभ हुआ और 10 अक्टूबर 2024 को पूरा कर लिया गया। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत उसका मूल्यांकन एवं सत्यापन किया गया। इसके बाद निर्माण कार्य का भुगतान किया गया।

ग्राम पंचायत में आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरपंच एवं सचिव को 15वें वित्त आयोग अथवा मूलभूत मद से आवश्यक राशि व्यय कर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इससे गांव की स्थानीय जरूरतों के अनुरूप सुविधाओं के विकास को गति मिलेगी। कोलेगांव में मिनी स्टेडियम का निर्माण ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे युवाओं को खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए बेहतर अवसर मिलने के साथ गांव में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या. मेढुका पंजी. क्र. 680

सूचना

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या. **मेढुका पंजी. क्र. 680** के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है की दिनांक **28/10/2026, दोपहर 12:00** समिति संस्था की वार्षिक साधारण आमसभा का आयोजन समिति कार्यालय में किया गया है!

आमसभा की विषय वस्तु समिति कार्यालय मेढुका एवं बैंक शाखा मरवाही में चस्पा कर दिया गया है!

आदेशानुसार

समिति प्रबंधक
मेढुका (गौरेला पेंड्रा मरवाही)

:- संपादकीय :-

इरडा की सर्व-प्रमुख भूमिका

बीमा पॉलिसियों की बिक्री के दौरान कमीशन पर सीमा लगाने का प्रस्ताव सही दिशा में पहल है। शेयर बाजार की अतार्किक प्रतिक्रिया से बिना प्रभावित हुए इरडा को इस सुझाव पर कायम रहना चाहिए।बीते 24 सितंबर को शेयर सूचकांकों में भारी गिरावट आई, तो उस क्रम में भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के नए परामर्श पत्र पर ध्यान गया। इस पत्र में इरडा ने बीमा पॉलिसी देने, उसके ढांचे, खर्च, और कमीशन में सुधार के सुझाव दिए हैं। इस पर सभी हितधारकों से 25 अक्टूबर तक अपनी राय भेजने को कहा गया है। इसके तहत जीवन बीमा पॉलिसी में पहले साल का कमीशन वितरकों के लिए प्रीमियम का अधिकतम 20 प्रतिशत और एजेंटों के लिए 25 प्रतिशत पर सीमित करने का प्रस्ताव है। यह मौजूदा कमीशन के आधे से भी कम है।गौरतलब है, 2023 में कमीशन संबंधी सीमाएं हटा दी गई थीं। उससे इस कारोबार में असंतुलन पैदा हुआ। गलत ढंग से पॉलिसियों की बिक्री (मिस-सेलिंग) की शिकायतें बढ़ीं। एक आकलन के मुताबिक 2022-23 से 2024-25 के बीच सामान्य बीमा में ब्रोकरों का प्रीमियम 37 फीसदी बढ़ा, पर कमीशन 173 फीसदी। जीवन बीमा में कॉरपोरेट एजेंटों का प्रीमियम 28 प्रतिशत बढ़ा, जबकि कमीशन 125 प्रतिशत। इसलिए कहा जाएगा कि इस पर सीमा लगाने का प्रस्ताव सही पहल है। शेयर बाजार की अतार्किक प्रतिक्रिया से बिना प्रभावित हुए इरडा को इस पर कायम रहना चाहिए।आम समझ है कि किसी व्यक्ति के लिए सबसे अच्छी बीमा पॉलिसी वह होगी, जो सस्ती और जरूरत के अनुरूप हो। लेकिन हो यह रहा है कि जिस पॉलिसी में एजेंट या बैंक को सबसे ज्यादा कमीशन मिलता हो, वे उसी को बेचने में जोर लगाते हैं। इस क्रम में खरीदारों को भ्रामक फायदे बताए जाते हैं। उपभोक्ताओं की नजर से देखें, तो कमीशन पर सीमा लगने से एक लाभ तो यह होगा कि विक्रेता की दिलचस्पी ऊंचे कमीशन वाले उत्पाद से हटकर से सही उत्पाद की ओर लौट सकती है। पॉलिसी की ऑनलाइन बिक्री में भ्रामक तरीके घट सकते हैं। साथ ही बीमा उपभोक्ताओं में जागरूकता लाने की बड़ी जरूरत भी बनी हुई है, ताकि पॉलिसी लेते समय वे कवर, क्लेम-निपटान अनुपात, शुल्क, और किन मामलों में कंपनी लाभ देने से इनकार कर सकती है, आदि की पूरी जानकारी हासिल कर सकें। इसमें इरडा की सर्व-प्रमुख भूमिका है।

आन्दोलन वही, जो सार्थक मुद्दा, दिशा एवं भरोसे से जुड़ा हो

ललित गर्ग ।

हैशटैग, वायरल वीडियो और ऑनलाइन समर्थन अपने आप में किसी आंदोलन की नैतिक प्रामाणिकता का प्रमाण नहीं हैं। किसी आरोप की गंभीरता का निर्धारण उसके प्रमाणों से होना चाहिए, उसकी लोकप्रियता से नहीं। यदि आंदोलनकारी तथ्यों की पुष्टि किए बिना आरोप लगाते हैं, तो वे अपने ही उद्देश्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसी प्रकार प्रशासन का दायित्व है कि वह आलोचनात्मक आवाजों को केवल इसलिए संदिग्ध न माने कि वे सरकार के विरुद्ध हैं। पारदर्शिता, तथ्यपरक संवाद और निष्पक्ष जांच ही अविश्वास को दूर करने के प्रभावी उपाय हैं। आज युवाओं के पास डिजिटल तकनीक, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक सहभागिता के अनेक अवसर हैं। उनकी ऊर्जा केवल विरोध तक सीमित न रहे, बल्कि समाधान निर्माण में भी लगे।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन हो तो पारदर्शिता के व्यावहारिक उपाय सामने आएं, चुनावी सुधारों की मांग हो तो प्रमाण आधारित सुझाव प्रस्तुत किए जाएं, प्रशासनिक अन्याय का प्रश्न हो तो कानूनी और संस्थागत रास्तों को मजबूत किया जाए। विरोध की सार्थकता तब बढ़ती है, जब वह किसी बेहतर व्यवस्था की कल्पना और निर्माण का आधार बनता है।



आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है।

लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पूछना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक स्वतंत्रता का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है, बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्त्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उत्तेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए आज देश के सामने प्रश्न केवल आंदोलनों का नहीं, बल्कि उनके चरित्र, विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का भी है। दिल्ली में हाल के विरोध प्रदर्शनों और उन पर प्रशासन की सख्ती के बाद सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने एक बार फिर लोकतंत्र की सीमाओं और संभावनाओं पर बहस छेड़ दी है। एक ओर शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का अधिकार है, तो दूसरी ओर सार्वजनिक व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और कानून का पालन सुनिश्चित करना शासन का दायित्व है। इन दोनों के बीच संतुलन ही संवैधानिक लोकतंत्र की पहचान है। न तो सरकार को कानून-व्यवस्था के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं के अनावश्यक दमन की छूट दी जा सकती है और न ही आंदोलनकारियों को लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में सार्वजनिक जीवन को बाधित करने का असीमित अधिकार प्राप्त है। संविधान अधिकार देता है, लेकिन उन अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है। शहरखोजेंआज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हों या जनसमूह, सभी को अपने आचरण की कसौटी संविधान, नैतिकता और जनहित को बनाना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है, कमियों को सामने लाता है और जनहित के मुद्दों को राजनीतिक विमर्श में स्थान देता है। लेकिन विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी है। यदि हर असहमति को सत्ता के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष में बदलने का प्रयास किया जाए, हर प्रशासनिक निर्णय को राजनीतिक षड्यंत्र बताया जाए और प्रत्येक जनसमस्या को व्यापक अव्यवस्था का प्रतीक बना दिया जाए, तो वास्तविक मुद्दे शोर में खोने लगते हैं। इसी तरह सरकार भी यदि आलोचना को शत्रुता समझने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद की संभावनाएं संकुचित हो जाती हैं।आंदोलन की साख उसके मूल उद्देश्य एवं भरोसे से बनती है। जिस मुद्दे को लेकर लोग एकत्र होते हैं, उसकी स्पष्टता, तथ्यात्मक प्रामाणिकता और समाधान की दिशा आंदोलन की विश्वसनीयता निर्धारित करती है। जब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षाएं अथवा वैचारिक टकराव केंद्र में आ जाते हैं, तब आंदोलन की ऊर्जा बिखरने लगती है। जनसमर्थन जुटाना और जनविश्वास अर्जित करना दो अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक आक्रोश का परिणाम हो सकती है, लेकिन जनविश्वास निरंतर नैतिक आचरण और रचनात्मक कार्यों से अर्जित होता है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस संदर्भ में अनेक महत्त्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 1974 का छात्र आंदोलन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण का नेतृत्व बताता है कि जनाक्रोश को रचनात्मक परिवर्तन की शक्ति में कैसे बदला जा सकता है। बिहार के छात्रों ने भ्रष्टाचार, महंगाई और शासन संबंधी समस्याओं के विरुद्ध आवाज उठाई थी। जयप्रकाश नारायण ने इस असंतोष को व्यापक सामाजिक और राजनीतिक सुधारों की दिशा देने का प्रयास किया।आज के आंदोलनों को इस ऐतिहासिक अनुभव से सीखना चाहिए। किसी भी आंदोलन की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितनी सड़कें बंद हुईं, कितने लोग एकत्र हुए या कितने दिनों तक विरोध चला। उसकी सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि उसने किस समस्या का समाधान प्रस्तुत किया, जनजीवन में क्या सकारात्मक परिवर्तन लाया और समाज में संवैधानिक चेतना को कितना मजबूत किया। वर्तमान समय में इंटरनेट मीडिया ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है।

राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जूनियर आपसे काम सीखना चाहेंगे। लवमेट के साथ रिश्ते में सुधार आयेगा।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके व्यापार में अच्छा लाभ मिलेगा। नवविवाहित दंपति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगा।

कर्क राशि : आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आपकी कोई इच्छा पूरी होने से मन में प्रसन्नता बनी रहेगी। लवमेट आज अपने रिश्ते के बारे में घरवालों को बताएंगे, घरवाले इस पर विचार करेंगे। इस राशि के जो लोग कोई शॉप चला रहे हैं आज उनको अच्छा मुनाफा होगा।

सिंह राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा। आपका कोई पुराना दोस्त आपको फोन करके आपको सरप्राइज देगा। आपकी किसी जरूरी बात पर घर वाले सहमति जतायेंगे। किसी काम में सफलता आज आपके कदम चूमेगी। आपको अपना कारोबार बढ़ाने के लिए आज कई मौके मिलेंगे।

कन्या राशि : आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। आप घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है। कोई आपके काम की शिकायत कर सकता है।

तुला राशि : आज आपको किसी अपने से कोई अच्छी खबर मिलने के योग बने हुये हैं। आज आपको वे लोग ज्यादा महत्व देंगे जो आपको हर मामले में कम समझते थे। इस राशि की महिलाएं अपने कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगी। आज आपके सकारात्मक रवैये से जीवनसाथी प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन करने जायेंगे। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज कोई अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा, जो भविष्य में अच्छा धन लाभ कराएगा।

वृश्चिक राशि : आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा करायेगी। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, कोई नया केस हाथ लगेगा। दांपत्य जीवन में खुशहाली आएगी, जीवनसाथी के साथ कोई मूवी देखने का मन बनायेंगे। आज अपने दोस्त की किसी बात का बुरा ना माने, दोस्ती मजबूत होगी।

धनु राशि : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज बिना सोचे-समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। इस राशि के छात्रों को आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। किसी विषय को समझने में आपको अपने सहपाठियों से सहयोग मिलेगा। आज पड़ोसी आपके कार्यों को पूरा करने में आपकी सहायता करेंगे।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए हर मायने में बढि?ा रहने वाला है। आपकी किसी परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिये अपनी बेहतरीन राय देंगे, बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे, आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेगी।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बढि?ा रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

मीन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा।

सू- दोकू क्र.190

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.189 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

नजरिया | हरिशंकर व्यास

विदेशी विवि के आने से भारतीय शिक्षा प्रणाली में फिर पड़ी जान

भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रवेश और विस्तार से एडटेक कंपनियों के लिए नए कारोबारी अवसर पैदा हो रहे हैं, जिससे वैश्विक संस्थानों के साथ सांझेदारी में ऑनलाइन उच्च शिक्षा और पेशेवर पाठ्यक्रमों की मांग बढ़ रही है। सिंपलीलर्न और स्केलर को उम्मीद...भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रवेश और विस्तार से एडटेक कंपनियों के लिए नए कारोबारी अवसर पैदा हो रहे हैं, जिससे वैश्विक संस्थानों के साथ सांझेदारी में ऑनलाइन उच्च शिक्षा और पेशेवर पाठ्यक्रमों की मांग बढ़ रही है। सिंपलीलर्न और स्केलर को उम्मीद है कि विदेशी विश्वविद्यालयों की बढ़ती उपस्थिति से उनके नामांकन बढ़ाने में मदद मिलेगी, वहीं सात यूनिवर्सिटी जॉइंट वैंचर चलाने वाले एमेरिटस को आने वाले वर्षों में देश में अपने विस्तार में 10-15 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। एमेरिटस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सी.ई.ओ.) अश्विन डामेरा ने कहा, ह्यह्यहम भारत में अपना निवेश दोगुना कर रहे हैं और यह पहल हमारे विकास के केंद्र में है।यह कदम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) द्वारा ऑस्ट्रेलिया, इटली, यू.के. और अमरीका के 15 विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों को भारत के विभिन्न स्थानों पर परिसर (कैंपस) स्थापित करने के लिए 16 आशय पत्र जारी किए जाने के बाद सामने आया है।

प्रस्तावित परिसर बेंगलुरु, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, मुंबई और चेन्नई में आने की उम्मीद है। वर्तमान में, भारत में लगभग 5 परिसर स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें साउथैम्प्टन विश्वविद्यालय, क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट और ऑस्ट्रेलिया का डीकिन विश्वविद्यालय शामिल हैं। नामांकन बढ़ाने के लिए विदेशी विश्वविद्यालय परिसरों की क्षमता कोई नई बात नहीं है। विदेशी परिसरों वाले भारतीय विश्वविद्यालयों ने भी देखा है कि उन बाजारों में उनकी मौजूदगी उनकी पहुंच बढ़ाने में मदद करती है। सिंपलीलर्न के सहसंस्थापक कश्यप दलाल ने कहा,हमें इनमें से कुछ बाजारों से अपने कुल नामांकन का लगभग 25 प्रतिशत से 30 प्रतिशत हिस्सा मिलता है। यही बात इसे बेहद आकर्षक बनाती है। यह पहुंच का विस्तार करता है और जाहिर तौर पर जैसे-जैसे समय बीतेगा, उम्मीद है कि हम उन बाजारों में और भी अधिक प्रमुख होंगे।

बड़े ब्रांड का प्रभाव : स्केलर के संस्थापक अभिमन्यु सक्सेना ने कहा कि हालांकि इस विस्तार से अवसर पैदा होने की उम्मीद है लेकिन अधिक स्थापित वैश्विक विश्वविद्यालयों की मौजूदगी मांग को बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। सक्सेना ने कहा, छात्र यह देख रहे हैं कि क्या वे वास्तव में कुछ ऐसा अत्याधुनिक सीख रहे हैं जो उन्हें उनके करियर में आगे ले जाने वाला है। एम.आई.टी., स्टैनफोर्ड और हार्वर्ड के पास ऐसे पाठ्यक्रम हैं और आई.आई.टी. भी इन्हें पेश करते हैं क्योंकि वे इन क्षेत्रों में निरंतर शोध करते हैं। दो मार्ग : विदेशी विश्वविद्यालय भारत में दो मार्गों के माध्यम से परिसर स्थापित कर रहे हैं-यू.जी.सी. के 2023 के नियम और गिफ्ट सिटी आई.एफ.एस.सी. ढांचा, जो अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आई.एफ.एस.सी.ए.) द्वारा शासित है। यू.जी.सी. का ढांचा पात्र विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों को भारत में परिसर स्थापित करने की अनुमति देता है, जबकि गिफ्ट सिटी मार्ग विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए एक अलग नियामक ढांचा प्रदान करता है। शार्दुल अमरचंद मंगलदास में पार्टनर सादिया खान ने कहा, ये नए नियम किसी भी इकाई को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ.डी.आई.) प्राप्त करने की अनुमति देते हैं, जिसमें एक परिसर स्थापित करने के लिए निजी कंपनी या एल.एल.पी. बनाना भी शामिल है।

इसलिए, परिसर स्थापित करने के लिए एक लाभकारी वित्त-ढांचे का उपयोग किया जा सकता है।विदेशी संस्थानों द्वारा प्रस्तावित किए जा रहे कार्यक्रम व्यवसाय (बिजनैस), वित्त (फाइनांस), सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, डाटा साइंस, आ?टफिशियल इंटैलीजैंस (ए.आई.), साइबर सुरक्षा, उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) और बायोमैडिकल साइंसेज जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं।

विचार

शिक्षा, नवाचार और युवा शक्ति से गढ़ी जा रही स्वर्णिम भारत की नई गाथा



प्रदेश में समृद्ध और सर्वसुविधायुक्त विकास मॉडल तैयार करने के लिए युवाओं की बौद्धिक क्षमता और कार्यकुशलता को केंद्र में रखकर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव किए जा रहे हैं। राज्य के विकास की रणनीति में गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी यानी 'ज्ञानइ को प्राथमिकता दी गई है। इसी सोच के तहत युवाओं को आर्थिक और सामाजिक उन्नति का प्रमुख आधार मानते हुए शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण, व्यावहारिक और रोजगारोन्मुख बनाने पर जोर दिया जा रहा है। अब उच्च शिक्षा को केवल औपचारिक डिग्रियों तक सीमित न रखकर विद्यार्थियों के कौशल विकास और भविष्य की आवश्यकताओं से जोड? की दिशा में काम किया जा रहा है।राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उच्च शिक्षा विभाग मिशन मोड में कार्य कर रहा है। उच्च शिक्षा मिशन योजना के तहत किए जा रहे प्रयासों से प्रदेश का सकल नामांकन अनुपात वर्ष 2021-22 के 19.6 प्रतिशत से बढ़कर वर्तमान में 27.5 प्रतिशत हो गया है। इसे वर्ष 2035 तक 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है।विद्यार्थियों के सर्वांगीण और समावेशी विकास को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के प्रत्येक जिले में सर्वसुविधायुक्त उत्कृष्टता महाविद्यालय स्थापित करने की योजना पर काम किया जा रहा है। इसके साथ ही शोध और नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य अनुसंधान एवं नवाचार योजना का खाका तैयार किया गया है।शिक्षा को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड? के लिए आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान के साथ पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणाली को भी विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रमों में प्रमुखता से शामिल किया जा रहा है।

अशांति के अरमान मगर खोली शांति की दुकान

डोनाल्ड ट्रंप को इस बार भी नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला। पुरस्कार किसी और को मिला, मगर नाराज ट्रंप हुए। उनकी दलील है कि दुनिया में शांति का कोई भी काम हो, उसका श्रेय सबसे पहले उन्हें दिया जाये।दुनिया में शांति का बड़ा संकट है। संकट यह नहीं कि शांति नहीं है, संकट यह है कि हर कोई शांति का ठेका लेना चाहता है, बस अपने घर में शांति नहीं चाहता।डोनाल्ड ट्रंप को इस बार भी नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला। पुरस्कार किसी और को मिला, मगर नाराज ट्रंप हुए। उनका मानना है कि दुनिया में शांति का कोई भी काम हो, उसका श्रेय सबसे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति को मिलना चाहिए। नोबेल कमेटी ने शायद पुरस्कार देते समय अमेरिका के चुनावी कैलेंडर को नहीं देखा। ट्रंप का दुख समझा जा सकता है।मगर असली शांति-पुरुष का परिचय पुरस्कार से नहीं, व्यवहार से मिलता है। ट्रंप ने दुनिया को समझाया कि रूस से कच्चा तेल मत खरीदो। रूस को आर्थिक रूप से कमजोर करना है। फिर खबर आई कि प्रतिबंधों में ढील देकर रूसी डीजल मंगाने का फैसला हुआ।अब दुनिया के देश पूछ रहे हैं कि रूस से तेल खरीदना बुरा है या सिर्फ तब बुरा है, जब खरीदने वाला अमेरिका न हो? ट्रंप का उत्तर शायद यह होगा कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में सिद्धांत वही अच्छा है, जो पेट्रोल पंप तक पहुंचते-पहुंचते बदल जाए। आखिर लोकतंत्र में जनता वोट देती है, भू-राजनीतिक व्याख्यान सुनकर टंकी नहीं भरवाती।उधर पाकिस्तान का भी अंतर्राष्ट्रीय व्यक्तित्व खिल रहा है। अपना घर आर्थिक संकट, राजनीतिक खींचतान और सुरक्षा की समस्याओं से जूझ रहा है, मगर सऊदी अरब की सुरक्षा का सवाल सामने आते ही विदेश नीति की बांहें चढ़ जाती हैं। यमन के हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच बढ़ते संघर्ष में पाकिस्तानी भूमिका की खबरें आईं, हालांकि पाकिस्तान ने हूतियों पर हमले करने के दावों का खंडन भी किया है। डरना भी है, लड़ते हुए दिखना भी है।वैसे इसे कहते हैं, बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना। अपने घर की छत टपक रही हो, मगर पड़ोसी के यहां बारात में छाता लेकर पहुंचना जरूरी है। पाकिस्तान सोचता होगा कि सऊदी अरब की सुरक्षा में योगदान देने से अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पाकिस्तान की जनता पूछती है -हमारी सुरक्षा कब होगी?

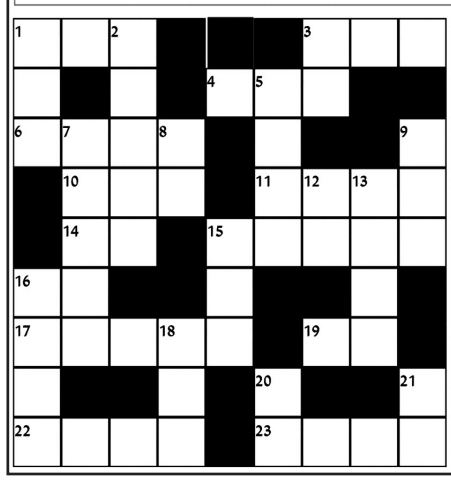
दुनिया में हर देश शांति चाहता है, लेकिन अपनी शर्तों पर। पाकिस्तान शांति चाहता है, मगर भारत में उसे आतंक, अशांति चाहिए। फ्रांस के छात्र बेहतर शिक्षा चाहते हैं, मगर कुछ प्रदर्शनकारी उसी स्कूल को नुकसान पहुंचा देते हैं जहां बेहतर भविष्य की नींव पड़नी है।

शब्द सामर्थ्य -190

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रात:, सबेरा।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 189 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

कवर्धा में 'अब दो नहीं चार' अभियान से स्वच्छता का संदेश

चार श्रेणियों में करना होगा कचरे का पृथक्कीकरण



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर के विभिन्न वार्डों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के तहत चार श्रेणियों में कचरा पृथक्करण को लेकर जनजागरूकता अभियान चलाया गया। 'अब दो नहीं चार' के संदेश के साथ नागरिकों को घरों एवं प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे को चार अलग-अलग रंगों के डस्टबिन में रखने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान का उद्देश्य कचरे के उचित संग्रहण, प्रसंस्करण, पुनर्चक्रण और सुरक्षित निपटान को बढ़ावा देना है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026, चार श्रेणियों में कचरा पृथक्करण पर जोर

सेवा संकल्प अभियान के दौरान कवर्धा शहर के विभिन्न वार्ड में जाकर नागरिकों को जानकारी दी गई कि पहले दो डिब्बा गीला एवं सूखा कचरा के अतिरिक्त अब सैनिटरी अपशिष्ट और विशेष देखभाल वाले अपशिष्ट को भी अलग-अलग रखना महत्वपूर्ण है। स्वच्छ भारत मिशन नियम 2026 के नियम 4 के अंतर्गत चार श्रेणियों में कचरा पृथक्कीकरण की व्यवस्था को विस्तार से बताया गया। इसके तहत प्रत्येक घर में चार रंगों के डस्टबिन के उपयोग और कचरे को उसके प्रकार के अनुसार अलग रखने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

चार रंगों के डस्टबिन से समझाया कचरे की पहचान

हरा डस्टबीन

नगर पालिका के स्वच्छ भारत मिशन समन्वयक होमेश मानिकपुरी एवं स्वच्छता दीदीयों द्वारा नागरिकों को चार रंगों के डस्टबिन और उनमें डाले जाने वाले कचरे की जानकारी दी गई। हरा डस्टबिन गीला कचरा जैसे रसोई का कचरा, सब्जी एवं फल के छिलके, बचा हुआ भोजन, फूल-पत्ते और चायपत्ती के लिए उपयोग किया जाना है। इस कचरे का उपयोग कम्पोस्टिंग एवं बायो-मेथनेशन के लिए किया जा सकता है।

नीला डस्टबिन सूखा कचरा कागज, गत्ता, प्लास्टिक, बोतलें, कांच, धातु, रबर तथा कपड़े जैसी सूखी सामग्री के लिए उपयोग किया जाना है। । इसका पृथक्कीकरण कर सामाग्री अलग करने वाले मशीन तक पहुंचाने में सुविधा होती है।

लाल डस्टबिन, सैनिटरी अपशिष्ट उपयोग किए गए सैनिटरी नैपकिन, डायपर, पट्टी एवं बैंडेज जैसे अपशिष्ट के लिए उपयोग किया जाना है। इन्हें अन्य कचरे से अलग रखते हुए सुरक्षित तरीके से संग्रहित एवं निस्तारित करना आवश्यक है।

बैंगनी डस्टबिन विशेष देखभाल वाला अपशिष्ट दवाइयां, इंजेक्शन, बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक सामान, बल्ब, पेंट के डिब्बे तथा कीटनाशक या रसायनों के डिब्बे जैसे अपशिष्ट के लिए उपयोग किया जाना है। इन्हें सामान्य कचरे में मिलाने के बजाय निर्धारित सुरक्षित संग्रहण एवं निपटान व्यवस्था के अनुसार देना चाहिए।

मिश्रित कचरा देने से बचें, पर्यावरण संरक्षण में निभाएं भागीदारी

सेवा संकल्प अभियान के दौरान लोगों को बताया गया कि अलग-अलग प्रकार के कचरे को आपस में मिलाने से पुर्नचक्रण की प्रक्रिया प्रभावित होती है और पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ जाती है। कचरे का स्रोत पर ही पृथक्कीकरण करने से गीले कचरे से खाद बनाने, सूखे कचरे का पुर्नचक्रण करने तथा सैनिटरी एवं विशेष देखभाल वाले अपशिष्ट का सुरक्षित निपटान करने में मदद मिलती है। प्राप्त जानकारी अनुसार ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के बीच कचरा पृथक्करण, डिजिटल अनुपालन, बल्क वेस्ट जनरेटर के उपयोग तथा पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति जैसे विषयों में बदलाव किया गया है। इसके अंतर्गत मिश्रित कचरा देने पर नियमों की अवहेलना पर कार्यवाही भी प्रस्तावित की जा सकती है।

जनभागीदारी से बनेगा स्वच्छ एवं सुंदर कवर्धा

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नारायण साहू ने आम नागरिकों से अपील है कि वे अपने घरों, दुकानों एवं प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे को चारों श्रेणियों में अलग-अलग करके ही दें। स्वच्छता केवल सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से ही कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन सुनिश्चित करने, पर्यावरण को सुरक्षित रखने और कवर्धा शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी।

स्कूलों के समीप तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर संयुक्त कार्रवाई



जशपुरनगर (दैनंदिनी ब्यूरो)। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशन एवं कलेक्टर के मार्गदर्शन में तहसील पत्थलगांव के बागबहार क्षेत्र में औषधि निरीक्षक एवं नायब तहसीलदार द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। इस दौरान स्कूलों के 100 गज के दायरे में स्थित पान ठेलों एवं किराना दुकानों में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पाए जाने पर तंबाकू उत्पाद जब्त किए गए। सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (COTPA), 2003 की धारा 6(ख) के अनुसार, किसी भी शैक्षणिक संस्थान के 100 गज के दायरे में सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है। यह कार्यवाही COTPA अधिनियम के तहत की गई है।

इसके साथ ही पत्थलगांव स्थित छह मेडिकल स्टोर्स - बंसल मेडिकल, लक्ष्मी मेडिकल, गोयल मेडिकल एजेंसी, पटेल मेडिकल, अग्रोहा मेडिकल स्टोर्स, न्यू चंद्रहासिनी मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी मेडिकल स्टोर्स नियमानुसार संचालित पाए गए। इसके अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पत्थलगांव के ब्लड स्टोरेज सेंटर एवं औषधि भंडार गृह का भी निरीक्षण किया गया। औषधि भंडार गृह में सीजीएमएससी से प्राप्त एवं स्थानीय क्रय के माध्यम से खरीदी गई दवाइयों को अलग-अलग रैक में व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए।

राकेश यादव ने डॉ. रमन सिंह को जन्मदिन की दी बधाई, गुलदस्ता भेंटकर किया अभिनंदन



बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। बालोद विधानसभा क्षेत्र के जनसेवक राकेश यादव ने रायपुर स्थित स्पीकर हाउस पहुंचकर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को उनके जन्मदिन के अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान राकेश यादव ने डॉ. रमन सिंह को गुलदस्ता भेंटकर उनका अभिनंदन किया और उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

इस सौजन्य मुलाकात के दौरान राकेश यादव ने डॉ. रमन सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके सार्वजनिक जीवन और प्रदेश के विकास में उनके योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कामना की कि डॉ. रमन सिंह निरंतर स्वस्थ रहें और अपने अनुभव एवं मार्गदर्शन से प्रदेश के विकास तथा जनहित से जुड़े कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहें। डॉ. रमन सिंह छत्तीसगढ़ की राजनीति के वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं। मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने प्रदेश की राजनीति और विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान में वे छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष के रूप में दायित्व निभा रहे हैं।राकेश यादव द्वारा रायपुर पहुंचकर जन्मदिन की बधाई देने और गुलदस्ता भेंटकर सम्मान व्यक्त करने का यह अवसर सौहार्दपूर्ण रहा।

प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना में ठगी करने पर ठेकेदार के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

3 लाख 20 हजार रूपये की ठगी करने पर हुई बड़ी कार्यवाही

जनमन आवास के 5 हितग्राहियों की लिखित शिकायत पर भारतीय न्याय सहिता (बी.एन.एस.), 2023 की धारा 318 (4) के तहत थाना चिल्फी में अपराध दर्ज



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले के विकासखण्ड बोड़ला के ग्राम पंचायत राजाढ़ार में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण करने के नाम पर हितग्राहियों से पैसे लेकर आवास निर्माण नहीं करने और राशि वापसी की मांग करने पर पैसे नहीं लौटाने की शिकायत पर पांच हितग्राही श्री देवसिंह पिता गौचरण ग्राम राजाढ़ार, श्रीमती मंधोर बाई पति भोभलाल, श्रीमती पुसीया बाई पति सिरधू बैगा, श्रीमती कौशिल्या बाई पति जेठू बैगा, श्रीमती ननकी बाई पति गहरू की शिकायत पर ठेकेदार कुमार मेरावी निवासी ग्राम शितलपानी पंचायत ढ़ोलबज्जा के विरूद्ध छल कर ठगी करते हुए आर्थिक नुकसान पहूंचाने के आरोप में भारतीय न्याय सहिता (बी.एन.एस.), 2023 की धारा 318 (4) के तहत थाना चिल्फी में एफ.आई.आर. दर्ज कराया गया है।

इस संबंध में प्राप्त जानकारी अनुसार प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा हितग्राहियों को आवास बनाने के लिए राज्य शासन द्वारा 4 किस्तों में 2 लाख रूपये प्रदाय किया जाता है। वनांचल क्षेत्रों में आवास लाभार्थियों को ठेकेदार द्वारा आवास निर्माण करने के नाम पर ठेका लेते हुए हितग्राही श्री देवसिंह से 60 हजार रूपये, श्रीमती मंधोर बाई से 60 हजार रूपये, श्रीमती पुसीया बाई से 60 हजार रूपये, कौशल्या बाई से 80 हजार रूपये एवं ननकी बाई से 60 हजार सहित कुल 3 लाख 20 हजार रूपये लेकर आवास का निर्माण कार्य नहीं किया गया।

लगभग डेढ़ वर्ष के बाद भी हितग्राहियों द्वारा मांगने पर न हीं पैसा लौटाया गया और न हीं आवास का निर्माण किया गया। जिसके बाद हितग्राहियों के लिखित शिकायत पर यह बड़ी कार्यवाही हुई है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री जनमन आवास के निर्माण कार्य हेतु प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहें है। कुछ स्थानों पर ठेकेदारों के द्वारा बैगा हितग्राहियों को बहला फुसलाकर आवास निर्माण के लिए जारी पैसे लेकर कार्य नहीं करने की शिकायतें प्राप्त हुई है। साथ ही जिला पंचायत कबीरधाम द्वारा स्पष्ट निर्देश दिये गये है कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना अंतर्गत किसी भी स्तर में अनियमितता पाये जाने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। इसी अनुक्रम में ठेकेदार कुमार मेरावी के विरूद्ध थाना चिल्फी में एफ.आई.आर. दर्ज होना बड़ी कार्यवाही के रूप में देखा जा रहा है।

अपूर्ण निर्माण कार्यों पर कलेक्टर सख्त, हाट बाजार शेड निरस्त करने के निर्देश; अधिकारियों से मांगा जवाब



जशपुरनगर(दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर रोहित व्यास ने विकासखंड दुलदुला के विभिन्न ग्राम पंचायतों का दौरा कर हाट बाजार शेड, कृषि उपज मंडी, पंचायत भवन, मिनी स्टेडियम एवं अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान कई कार्य अपूर्ण पाए जाने तथा कुछ कार्यों में निर्माण प्रारंभ नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। कलेक्टर ने संबंधित निर्माण एजेंसियों के विरुद्ध कार्य निरस्त करने के निर्देश देते हुए अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने और लापरवाही पर जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर व्यास ने ग्राम बंगूरकेला में हाट बाजार के लिए बनाए जा रहे शेड का निरीक्षण किया। कार्य अपूर्ण पाए जाने पर उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसी के विरुद्ध कार्य निरस्त करने के निर्देश दिए। इसी दौरान उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों से ग्रामीण सचिवालय की बैठकों के आयोजन एवं संचालन की जानकारी भी ली। साथ ही, नवनिर्मित पंचायत भवन की गुणवत्ता का निरीक्षण किया।

इसके पश्चात ग्राम चटकपुर में हाट बाजार के लिए प्रस्तावित शेड निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। यहां निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं होने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कार्य को तत्काल निरस्त करने के निर्देश दिए। साथ ही, संबंधित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने को कहा।

कलेक्टर ने ग्राम पंचायत कस्तूरा में कृषि उपज मंडी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मंडी परिसर की सुरक्षा के लिए शीघ्र घेराव कराने, भूमि का सीमांकन करने तथा अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इन कार्यों को एक सप्ताह के भीतर पूर्ण करने के लिए कहा, ताकि मंडी परिसर का व्यवस्थित उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

ग्राम पंचायत कादोपानी में शौचालय निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की स्थिति का जायजा लेते हुए कलेक्टर ने आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही, कदोपानी से जामटोली पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजने को कहा। उन्होंने सभी संबंधित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर व्यास ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब न हो। प्रत्येक कार्य की नियमित निगरानी की जाए तथा निर्माण एजेंसियों की जवाबदेही तय करते हुए गुणवत्ता और समय-सीमा का पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपूर्ण कार्यों और लापरवाही के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अनुपयोगी पुल निर्माण पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने विकासखंड दुलदुला के विभिन्न ग्रामों में सड़क एवं पुल-पुलिया निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की उपयोगिता, गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अनुपयोगी एवं अपूर्ण निर्माण कार्यों पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने लापरवाही के मामलों में जांच तथा नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

कलेक्टर व्यास ने ग्राम आँवरापानी में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत केंद खमन पहुंच मार्ग पर निर्मित आरसीसी पुलिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुल की उपयोगिता को लेकर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य से अपेक्षित उपयोगिता सुनिश्चित नहीं हो रही है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) को पुल निर्माण की आवश्यकता, उपयोगिता एवं कार्य की स्थिति की जांच कर 10 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात ग्राम पंचायत कस्तूरा में पीएमजीएसवाई के अंतर्गत निर्माणाधीन कस्तूरा से सरायटोली मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बिहान योजना से सशक्त हुईं महिलाएं, बैंक सखी बन संज्योति चौहान ने पेश की आत्मनिर्भरता की मिसाल



जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बन रही है। स्व सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं आजीविका के नए अवसर अपना रही हैं और आर्थिक रूप से मजबूत बनकर परिवार की खुशहाली में योगदान दे रही हैं।

इसी की प्रेरक मिसाल कांसाबेल विकासखंड के ग्राम टांगरगांव की संज्योति चौहान हैं, जो बैंक सखी के रूप में ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ स्वयं भी आत्मनिर्भर बनी हैं। वे चांदनी स्व सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला, जिससे उन्हें आजीविका के नए अवसर विकसित करने में मदद मिली।

बैंकिंग सेवाओं से मिल रही नियमित आय

संज्योति चौहान वर्ष 2019 से ग्रामीण बैंक से संबद्ध बैंक सखी के रूप में कार्य कर रही हैं। वे किराना दुकान का संचालन करने के साथ ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाएं भी प्रदान करती हैं। उनके माध्यम से प्रतिमाह लगभग 8 से 9 लाख रुपये का लेन-देन होता है, जिससे उन्हें औसतन 5 हजार रुपये की मासिक आय प्राप्त होती है। इसके अलावा वे डिजिटल भुगतान, बीमा सहित अन्य वित्तीय सेवाओं के माध्यम से ग्रामीणों को सुविधाएं उपलब्ध करा रही हैं।

समूह से मिले ऋण ने खोला आत्मनिर्भरता का रास्ता

बैंक सखी के रूप में कार्य शुरू करने के लिए चौहान ने स्व सहायता समूह के माध्यम से 68 हजार रुपये का ऋण लिया था। इस आर्थिक सहयोग से उन्हें अपना काम शुरू करने में मदद मिली। आज वे बैंकिंग सेवाओं और किराना दुकान के माध्यम से आय अर्जित कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रही हैं। संज्योति चौहान की सफलता बताती है कि स्व सहायता समूहों और शासन की योजनाओं से मिलने वाला सहयोग ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका के नए रास्ते खोल सकता है। उनकी यह उपलब्धि अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने और आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने इस अवसर के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

तालाब किनारे सजा था जुए का फड़, पुलिस ने मारी दबिश; 7 जुआरी धराए

महासमुंद। तुमगांव थाना क्षेत्र के ग्राम अमावश-बेलटुकरी के बीच तालाब किनारे खुले स्थान पर बेखौफ चल रहे जुए के फड़ पर पुलिस ने दबिश देकर सात जुआरियों को रंगे हाथों पकड़ लिया। पुलिस की घेराबंदी होते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कुछ जुआरी भाग निकले। पुलिस ने मौके से 17,400 रुपए नकद और 52 पत्ती ताश के अलावा एक स्कूटी, चार मोटरसाइकिल, एक स्विफ्ट कार और पांच मोबाइल जब्त किए। जब्त सामान की कुल कीमत 3 लाख 32 हजार 400 रुपए बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, तुमगांव पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अमावश-बेलटुकरी के बीच तालाब किनारे खुले स्थान पर बड़ी संख्या में लोग जुटकर 'काटपत्ती' जुआ खेल रहे हैं। जुआरी रुपए-पैसों का दांव लगाकर हार-जीत का खेल चला रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने गवाहों के साथ मौके की घेराबंदी की और अचानक दबिश दी। पुलिस को देखते ही जुआरियों में भगदड़ मच गई।

वेस्टइंडीज ने टीम इंडिया के खिलाफ भारत में पहली बार किया बड़ा कारनामा, हार के बावजूद भारतीय टीम ने भी बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने हैदराबाद में भारत को हराकर सिर्फ पांच मैचों की T20I सीरीज में 2-2 से बराबरी ही नहीं की, बल्कि एक ऐसा रिकॉर्ड भी बना दिया, जिसके लिए उसे पहले 6 बार नाकामी हाथ लगी थी। शे होप के नाबाद शतक और कीमो पॉल के पांच विकेट के दम पर कैरेबियाई टीम ने 14 अक्टूबर को चौथे T20 इंटरनेशनल मुकाबले में भारत को 24 रन से हराया। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने भारतीय सरजमीं पर भारत के खिलाफ T20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया।



WI ने पहली बार भारत में बनाया ये रिकॉर्ड

भारत में T20 इंटरनेशनल मुकाबलों में वेस्टइंडीज के लिए यह जीत खास रही। इससे पहले टीम इंडिया के खिलाफ भारतीय सरजमीं पर लक्ष्य का बचाव करते हुए कैरेबियाई टीम को 6 बार असफलता मिली थी। इस बार शे होप की शानदार बल्लेबाजी ने बड़ा स्कोर खड़ा किया, जबकि कीमो पॉल की धारदार गेंदबाजी ने भारत को लक्ष्य तक पहुंचने से रोक दिया। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 247 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 19.3 ओवर में 223 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह वेस्टइंडीज ने 24 रन से मुकाबला अपने नाम कर लिया और सीरीज को रोमांचक मोड़ पर पहुंचा दिया।

भारत ने भी बनाया खास रिकॉर्ड

मुकाबला हारने के बावजूद भारतीय टीम ने T20 इंटरनेशनल में लक्ष्य का पीछा करते हुए अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर दर्ज किया। भारत ने 223 रन बनाए, लेकिन जीत के लिए यह पर्याप्त नहीं रहे। इस मामले में टीम इंडिया का रिकॉर्ड स्कोर 244/4 है, जो उसने 2016 में लॉडरहिल में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था। उस मुकाबले में भारत को महज एक रन से हार का सामना करना पड़ा था।

शे होप का शतक

वेस्टइंडीज की जीत की नींव शाई होप ने रखी। उन्होंने 50 गेंदों पर नाबाद 102 रन बनाए, जिसमें नौ छक्के और चार चौके शामिल रहे। शेरफेन रदरफोर्ड ने भी 26 गेंदों पर नाबाद 49 रन की पारी खेली। उनके बल्ले से चार चौके और तीन छक्के निकले, जबकि शिमरॉन हेटमायर ने 33 रन बनाए।

भारत और वेस्टइंडीज : T20I सीरीज के बीच अर्शदीप की चोट ने बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की T20I सीरीज अब रोमांचक मोड़ पर पहुंच गई है। चौथे मुकाबले में 24 रन से मिली हार के बाद सीरीज 2-2 से बराबर हो गई है। ऐसे में 17 अक्टूबर को बेंगलुरु में होने वाला आखिरी मैच निर्णायक साबित होगा। लेकिन इस अहम मुकाबले से पहले भारतीय टीम को तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की फिटनेस की चिंता सता रही है। विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने उनकी चोट को लेकर अपडेट दिया है और जल्द ठीक होने की उम्मीद जताई है।

हैदराबाद में बुधवार को खेले गए चौथे T20I मुकाबले में भारत की पारी के आखिरी ओवर के दौरान अर्शदीप चोटिल हो गए थे। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमर जोसेफ की तेज बाउंसर उनके कंधे पर लगी, जिसके बाद वह काफी असहज नजर आए। मैदान पर ही उन्हें मेडिकल सहायता दी गई, लेकिन वह आगे खेल जारी नहीं रख सके।



संजू सैमसन ने क्या कहा?

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजू सैमसन ने अर्शदीप की चोट पर बात की। उन्होंने कहा कि अर्शदीप अपने कंधे पर बर्फ लगा रहे हैं। उम्मीद है कि वह जल्द ठीक हो जाएंगे। उन्हें तेज रफ्तार गेंद लगी थी। उम्मीद करता हूं कि वह जल्दी रिकवर कर लेंगे। हालांकि, भारतीय टीम की ओर से अभी तक अर्शदीप की चोट की गंभीरता को लेकर विस्तृत मेडिकल अपडेट नहीं दिया गया है। ऐसे में पांचवें T20 मुकाबले में उनके खेलने पर स्थिति साफ होना बाकी है।

सीरीज के निर्णायक मुकाबले पर नजर

चौथे T20I में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 247 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम 223 रन पर सिमट गई और उसे 24 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस नतीजे के साथ पांच मैचों की सीरीज 2-2 की बराबरी पर आ गई। अब दोनों टीमें शनिवार को बेंगलुरु में आमने-सामने होंगी। भारत के लिए यह मुकाबला सीरीज जीतने के लिहाज से बेहद अहम है। ऐसे में अर्शदीप की उपलब्धता गेंदबाजी आक्रमण के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। अगर वह समय पर फिट नहीं होते हैं, तो टीम मैनेजमेंट को उनके विकल्प पर भी विचार करना पड़ सकता है। फिलहाल भारतीय टीम को अर्शदीप की फिटनेस पर आधिकारिक जानकारी का इंतजार है। निर्णायक मुकाबले से पहले उनकी रिकवरी पर सभी की निगाहें रहेंगी।

साउथ अफ्रीका/ऑस्ट्रेलिया : दूसरे टेस्ट के लिए साउथ अफ्रीकी टीम का ऐलान, ट्रिस्टन स्टब्स की हो गई छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में 214 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा था। अब सीरीज में वापसी करने के इरादे से उतरने वाली मेजबान टीम ने दूसरे टेस्ट के लिए अपने 17 खिलाड़ियों के दल का ऐलान कर दिया है। टीम में एक बदलाव किया गया है। धाकड़ बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्जके की स्क्वाड में एंट्री हो गई है। बता दें, साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट 18 अक्टूबर से खेला जाएगा। टेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली टीम पहले टेस्ट में मिली हार को पीछे छोड़कर सीरीज में बराबरी हासिल करना चाहेगी। साउथ अफ्रीका के सिलेक्टर्स ने दूसरे टेस्ट के लिए घोषित टीम में मैथ्यू ब्रीट्जके को शामिल किया है। वह ट्रिस्टन स्टब्स की जगह लेंगे। इसके अलावा विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी रयान रिकेल्टन को सौंपी गई है। वहीं, बाएं हाथ के बल्लेबाज टोनी डी जोरजी सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं थे। वह बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। इसी वजह से उन्हें दूसरे टेस्ट के लिए टीम में शामिल करने पर विचार नहीं किया गया। साउथ अफ्रीका के लिए यह मुकाबला काफी अहम होगा। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया फिलहाल 1-0 से आगे है। ऐसे में मेजबान टीम को सीरीज में बने रहने के लिए दूसरे टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। दूसरे टेस्ट के लिए साउथ अफ्रीका की टीमः टेम्बा बावुमा (कप्तान), मार्कस एकरमैन, डेविड बेडिंघम, मैथ्यू ब्रीट्जके, कॉर्बिन बॉश, गेराल्ड कोएत्जी, साइमन हार्मर, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मारक्रम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, एनरिक नॉर्खिया, डेन पैटरसन, कगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन और काइल वेरेन।

सीरीज का पहला टेस्ट 9 से 13 अक्टूबर तक डरबन में खेला गया था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने 214 रन से जीत दर्ज की। दूसरा टेस्ट 18 से 22 अक्टूबर तक गकेबरहा के सेंट जॉर्ज पार्क में होगा। वहीं, सीरीज का तीसरा और अंतिम टेस्ट 27 से 31 अक्टूबर तक केपटाउन के न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा।

हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए श्रीलंका ने किया टीम का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। हांगकांग सिक्सेस एक बार फिर क्रिकेट फैंस को रोमांचित करने के लिए आ रहा है। यही वजह है कि सभी टीमें अपनी-अपनी तैयारियों में जुटी हैं। इस बीच श्रीलंका की टीम को लेकर बड़ा अपडटे सामने आया है। दरअसल, इस बार टूर्नामेंट में दो बार चैंपियन रह चुकी श्रीलंका की टीम अब तीसरी बार ट्रॉफी जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। श्रीलंका क्रिकेट यानी SLC ने 14 अक्टूबर को 2026 संस्करण के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया। इस बार टीम की कमान संगीथ कूराय को सौंपी गई है।



श्रीलंका ने इस छोटे और तेज प्रारूप की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आक्रामक खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है। कप्तान कूराय के अलावा मूविन सुबासिंघे, विशेन हलंबागे, चमिंदु विजेसिंघे, सचिता जयतिलके, रविंदु फर्नांडो और मुदिथा लक्षान को टीम में शामिल किया गया है। श्रीलंकाई टीम की कोशिश अपने पुराने प्रदर्शन को दोहराते हुए अपने खाते में तीसरे खिताब को करने की होगी।

हांगकांग सिक्सेस का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक किया जाएगा। टूर्नामेंट अपने तेज रफ्तार मुकाबलों और बड़े स्कोर के लिए जाना जाता है। इसमें दुनिया भर की टीमें हिस्सा लेती हैं और मैचों में कम समय के भीतर आक्रामक बल्लेबाजी देखने को मिलती है।श्रीलंका इस प्रतियोगिता में दो बार चैंपियन बन चुका है। ऐसे में टीम के पास अपने खिताबी रिकॉर्ड को और बेहतर करने का मौका होगा। हालांकि, 6 खिलाड़ियों वाले इस प्रारूप में छोटी-सी गलती भी भारी पड़ सकती है, इसलिए टीम को बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी तेजी और सटीकता दिखानी होगी।

क्रिकेट हांगकांग, चाइना के मार्केटिंग एवं कमर्शियल निदेशक अनुराग भटनागर ने टूर्नामेंट में श्रीलंका की वापसी पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, 2026 में हांगकांग सिक्सस में श्रीलंका की वापसी पर हमें बेहद खुशी है।

श्रीलंकाई टीम ने हमेशा इस टूर्नामेंट में शानदार खेल और रोमांच का तड़का लगाया है, और इस बार उन्होंने जिस टीम को चुना है, उससे भी कुछ ऐसा ही देखने की उम्मीद है। गौरतलब है कि भारत में इस टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा, जबकि फैनकोड लाइव स्ट्रीमिंग पार्टनर रहेगा।

व्यापार

नेटफ्लिक्स में बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी, करीब 1000 कर्मचारियों की जा सकती है नौकरी

मुंबई (एजेंसी)। दुनियाभर में करोड़ों लोगों के बीच लोकप्रिय स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स (Netflix) में बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी है। कंपनी अपने करीब 6 फीसदी कर्मचारियों की संख्या घटाने की योजना बना रही है। इस फैसले से लगभग 1,000 कर्मचारियों की नौकरी जा सकती है। खास बात यह है कि कंपनी का मुनाफा और कमाई बढ़ने के बावजूद यह कदम उठाया जा रहा है। कंपनी ने इसके पीछे संगठन में बदलाव और भविष्य की योजनाओं के लिए संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करने की जरूरत बताई है।



नेटफ्लिक्स के सह-सीईओ ग्रेग पीटर्स और टेड सारंडोस ने बुधवार को कर्मचारियों को भेजे गए एक मेमो में छंटनी की जानकारी दी। कंपनी के प्रोडक्ट, टेक्नोलॉजी, लीगल और ह्यूमन रिसोर्स डिपार्टमेंट पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ सकता है। दोनों अधिकारियों ने अपने संदेश में कहा कि कर्मचारियों की छंटनी जैसे फैसले लेना आसान नहीं होता और कंपनी इन्हें हल्के में नहीं लेती। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कारोबार मजबूत है, लेकिन भविष्य में विकास और अपनी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कर्मचारियों और संसाधनों का सही जगह इस्तेमाल करना जरूरी है।

कमाई बढ़ने के बाद भी क्यों हो रही छंटनी?

नेटफ्लिक्स की कमाई में इस साल बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कंपनी को नए ग्राहकों के जुड़ने और सब्सक्रिप्शन की कीमतें बढ़ाने से फायदा मिला है। वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में नेटफ्लिक्स ने 3.4 अरब डॉलर का मुनाफा कमाया, जबकि कंपनी का राजस्व 12.56 अरब डॉलर रहा। पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले कंपनी के मुनाफे में 9 फीसदी और राजस्व में 13 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इसके बावजूद कंपनी भविष्य की ग्रोथ और अपनी सेवाओं में सुधार के लिए खर्च और कर्मचारियों से जुड़े संसाधनों को प्राथमिकता के आधार पर इस्तेमाल करना चाहती है। हालांकि, तीसरी तिमाही के लिए कंपनी का अनुमान वॉल स्ट्रीट के विश्लेषकों की उम्मीदों से कम रहा। नेटफ्लिक्स अगले हफ्ते अपने तिमाही नतीजे जारी करने वाली है।

स्ट्रीमिंग बाजार में बढ़ रही प्रतिस्पर्धा

नेटफ्लिक्स को स्ट्रीमिंग बाजार में अमेजन प्राइम वीडियो और डिज्नी+ जैसी कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा मिल रही है। इसके अलावा HBO मैक्स और पैरामाउंट+ भी अब स्काईडांस के अंतर्गत आ गए हैं। वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के अधिग्रहण का सौदा पूरा होने के बाद नई कंपनी की योजना समय के साथ अपनी स्ट्रीमिंग सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाने की है।

न्युवोको ने पूरे किए 10 साल सीमेंट उत्पादन क्षमता 35 एमएमटीपीए करने का लक्ष्य

मुंबई (एजेंसी)। बिल्डिंग मटेरियल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने अपने दस वर्ष पूरे होने पर 'दस साल बेमिसाल' थीम के साथ उपलब्धियों का जश्न मनाया। कंपनी ने 2014 में राजस्थान के निंबोल स्थित सीमेंट प्लांट से शुरुआत की थी। इसके बाद लफार्ज इंडिया, इमामी सीमेंट और वडराज सीमेंट के अधिग्रहण से कारोबार का विस्तार किया। वर्तमान में कंपनी की सीमेंट उत्पादन क्षमता 27 एमएमटीपीए है। इसके 14 विनिर्माण संयंत्र और देशभर में 58 रेडी-मिक्स कंक्रीट प्लांट हैं। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027-28 तक सीमेंट उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 35 एमएमटीपीए करना है। चेयरमैन हिरेन पटेल ने कहा कि कंपनी की दस वर्षों की उपलब्धियां कर्मचारियों की मेहनत, नवाचार और दूरदर्शी फैसलों का परिणाम हैं। उन्होंने टिकाऊ विकास, बेहतर प्रदर्शन और कर्मचारियों के विकास पर आगे भी ध्यान देने की प्रतिबद्धता जताई।

चडीएफसी बैंक ने लॉन्च किया 'फेस्टिव ट्रीट्स 2026', खरीदारी पर 70 हजार रुपये तक की बचत

मुंबई/रायपुर (एजेंसी)। एचडीएफसी बैंक ने त्योहारों के मौसम में ग्राहकों को खरीदारी पर बचत का लाभ देने के लिए 'फेस्टिव ट्रीट्स 2026' अभियान शुरू किया है। इस वर्ष की थीम 'ट्रीट विद ऑल योर हार्ट' रखी गई है। अभियान के तहत क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और ईजीईएमआई पर 10 हजार से अधिक ऑफर उपलब्ध होंगे। ग्राहक विभिन्न श्रेणियों में 70 हजार रुपये तक की बचत कर सकेंगे। बैंक पर्सनल, कार, होम और गोल्ड लोन सहित कई वित्तीय उत्पादों पर भी आकर्षक सुविधाएं दे रहा है। ऑफर कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, यात्रा, होम डेकोर और ज्वेलरी जैसी श्रेणियों में मिलेंगे। इसके लिए बैंक ने कई प्रमुख ब्रांडों के साथ साझेदारी की है। अभियान देशभर में चरणबद्ध तरीके से दिवाली तक चलेगा। बैंक के अधिकारियों के अनुसार, इसका उद्देश्य ग्राहकों को त्योहारों के दौरान खरीदारी के बेहतर विकल्प और वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

भारत में 15.5 अरब डॉलर का निवेश करेगा दक्षिण कोरियाई ग्रुप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर ग्रुप ने मंगलवार को भारत में साल 2032 तक 15.5 अरब डॉलर (करीब 1.3 लाख करोड़ रुपये) का निवेश करने की घोषणा की। इसके साथ ही, हुंडई ने भारत को अपने भविष्य के ग्रोथ और उभरते बाजारों में विस्तार के लिए प्रमुख रणनीतिक बाजार बताया। हुंडई मोटर ग्रुप ने एक बयान में कहा कि उसके एग्जीक्यूटिव चेयरमैन ईसुन चुंग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

भारत की ऑटो इंडस्ट्री के भविष्य पर हुई चर्चा

इस अहम मुलाकात के दौरान भारत की ऑटो इंडस्ट्री के भविष्य और दीर्घकालिक वृद्धि रणनीति पर चर्चा हुई। ग्रुप के अनुसार, भारत में 7 साल में किया जाने वाला ये निवेश मैन्यूफैक्चरिंग कैपेसिटी, आरएंडडी के इंफ्रा के विस्तार, कंपोनेंट्स के लोकलाइजेशन के लिए घरेलू सप्लायर्स को डेवलप करने और भविष्य की टेक्नोलॉजी के विकास पर खर्च किया जाएगा।

भारत में एक डेडिकेटेड इंवेस्टमेंट यूनिट बनाएगा हुंडई ग्रुप

इस निवेश को व्यवस्थित ढंग से लागू करने के लिए ग्रुप भारत में एक डेडिकेटेड इंवेस्टमेंट यूनिट बनाएगा। ये यूनिट रिसर्च और डेवलपमेंट, नई टेक्नोलॉजी और ऑटो इंडस्ट्री से जुड़े व्यापक इकोसिस्टम में निवेश का समन्वय करेगी। ये लोकल पार्टनर की पहचान करने और घरेलू सप्लायर्स के साथ रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने का काम भी करेगी।

हुंडई मोटर के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक बाजारों में से एक है भारत

चुंग ने बयान में कहा, "भारत ग्लोबल लेवल पर हुंडई मोटर के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक बाजारों में से एक है। भारत में ग्रुप की मौजूदगी के 30 साल पूरे होने के बाद ये निवेश अगले 30 साल और उससे आगे तक देश के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे रोजगार के नए मौके पैदा होंगे और भारत के इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट में योगदान मिलेगा।"

हुंडई ग्रुप भारत में एक्टिव अपनी कंपनियों हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड और किआ इंडिया की मैन्यूफैक्चरिंग कैपेसिटी बढ़ाने की योजना बना रहा है। इससे घरेलू मांग को पूरा करने के साथ भारत को ग्रुप के प्रमुख ग्लोबल एक्सपोर्ट हब्स में डेवलप करने में मदद मिलेगी।

6 महीने के निचले स्तर पर पहुंची चांदी सोने की कीमतों में भी गिरावट जारी

मुंबई (एजेंसी)। नवरात्रि के दौरान अगर आप सोना या चांदी खरीदने की सोच रहें है तो आपके लिए एक गुड न्यूज है। सोना और चांदी के भाव में लगातार गिरावट जारी है। चांदी की कीमत गिरकर ऐसे स्तर पर पहुंच गई है, जहां यह आखिरी बार 23 मार्च 2026 को देखी गई थी। वहीं, सोने के भाव में भी लगातार गिरावट जारी है। 15 अक्टूबर को दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,48,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। कीमतों में इस गिरावट के पीछे रुपये की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बाजार में हो रहे बदलाव अहम वजह माने जा रहे हैं।



MCX पर चांदी 6 महीने के निचले स्तर पर

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर चांदी का भाव 2,09,560 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, चांदी का भाव इससे नीचे आखिरी बार 23 मार्च 2026 को आया था। इससे चांदी की कीमतों में आई गिरावट का अंदाजा लगाया जा सकता है। वहीं, सोने की कीमतों पर भी दबाव बना हुआ है। MCX पर आज सोने 1,47,515 प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा है।

क्यों सस्ता हो रहा सोना?

सोने और चांदी की कीमतें घरेलू बाजार के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों पर भी निर्भर करती हैं। रुपये में मजबूती आने से विदेश से सोना-चांदी खरीदना अपेक्षाकृत सस्ता हो सकता है। इससे घरेलू बाजार में कीमतों पर दबाव पड़ता है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने रुपये को मजबूती देने के उद्देश्य से हाल ही में कई कदम उठाए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 4,083.94 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

ध्यान रखें कि ऊपर दिए गए भाव 15 अक्टूबर की सुबह के हैं और दिन के दौरान बदल सकते हैं। सोना खरीदने से पहले अपने शहर के ज्वेलर से ताजा रेट जरूर जांच लें। आभूषणों की अंतिम कीमत में मेकिंग चार्ज और लागू टैक्स भी जुड़ सकते हैं।

हिमालया बेबीकेयर ने लॉन्च किया 'पहले स्पर्श के लिए पहला भरोसा' कैंपेन

रायपुर (एजेंसी)। हिमालया बेबीकेयर ने अपने जेंटल बेबी वॉश के लिए 'पहले स्पर्श के लिए पहला भरोसा' नाम से नया अभियान शुरू किया है। यह अभियान नवजात शिशु के पहले स्नान और माता-पिता की शुरुआती चिंताओं पर केंद्रित है। इसमें एक नई मां और नर्स के बीच बातचीत के जरिए शिशु की नाजुक त्वचा की देखभाल और सही उत्पाद चुनने का संदेश दिया गया है। कंपनी के अनुसार, जेंटल बेबी वॉश का फॉर्मूला साबुन-मुक्त और आंसू रहित है। इसमें पीएच 5.5 का संतुलन तथा हरी मूंग और चने जैसे प्राकृतिक अवयव शामिल हैं। कंपनी के बेबीकेयर निदेशक चक्रवर्ती एन. वी. ने कहा कि अभियान का उद्देश्य शुरुआती अभिभावकत्व के दौर में भरोसेमंद साथी के रूप में ब्रांड की भूमिका मजबूत करना है। यह फिल्म हिंदी सहित आठ भाषाओं में जारी की जा रही है।



खादी और ग्रामोद्योग : समावेशी और टिकाऊ भारत का ताना-बाना बुनना

- सुश्री रूप राशि और डॉ. नितेश धवन

हम भारत के गौरवान्वित नागरिक हैं—जो आज नामीनल जीडीपी की दृष्टि से विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है । आर्थिक विकास का एक बड़ा हिस्सा एमएसएमई क्षेत्र से संचालित होता है, जिसका देश की समग्र जीडीपी में एक-तिहाई योगदान है। इसमें भी ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों का प्रमुख योगदान है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से खादी और हथकरघा क्षेत्र जैसे कुटीर उद्योगों के साथ-साथ ग्रामीण कारीगरों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प उत्पादों पर निर्भर करती है। ऐसे समय में, जब दुनिया असमानता, जलवायु परिवर्तन और संसाधनों के क्षरण जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, वहीं आईटी और सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में एआई नौकरियों को लगातार निगलते हुए तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में, खादी और ग्रामोद्योग (केवीआई) सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के विज़न को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ये कम संसाधनों का उपयोग करके विभिन्न कौशल स्तरों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाकर स्थानीय स्तर पर पलायन को कम करने में भी सक्षम हैं। खादी—हाथ से काता और हाथ से बुना हुआ—भारत की आत्मा रही है। जिम्मेदार उत्पादन में ऊर्जा और जल का दक्षतापूर्वक उपयोग करते हुए प्राकृतिक रेशों का इस्तेमाल किया जाता है। विकास के वाहक के रूप में इसकी क्षमता को,धीमी गति से ही सही, लेकिन निरन्तर मान्यता मिल रही है।

हमारा उद्योग एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जो प्राचीन काल से चली आ रही है और मानव भावनाओं के व्यक्तिगत स्पर्श तथा अनुकरणीय कौशल के साथ विविध कलात्मक अभिव्यक्तियों को प्रदर्शित करती है। ऋग्वेद, रामायण, महाभारत, थालिया (यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस द्वारा रचित) और कौटिल्य से संबंधित विभिन्न लिखित ग्रंथों में न केवल कताई और बुनाई का उल्लेख मिलता है, बल्कि रेशम और कपास की उच्च गुणवत्ता का भी उल्लेख किया गया है। रामायण में कपास का उल्लेख संत के गुणों से जोड़कर किया गया है, वहीं विभिन्न प्रकार की बुनाइयां समृद्ध सांस्कृतिक ताने-बाने को दर्शाती हैं। हाथ से काते और हाथ से बुने 'जनसमूह द्वारा उत्पादित' खादी का उपयोग महात्मा गांधी जी ने उपनिवेशवादियों द्वारा बड़े पैमाने पर किए जाने वाले उत्पादन का मुकाबला करने के लिए किया था। स्वतंत्रता का यह वस्त्र आज अपने प्राकृतिक, आरामदायक और सतत् होने के विशिष्ट गुणों के कारण पसंदीदा फैशन स्टेटमेंट बनता जा रहा है। इसका हस्तनिर्मित स्वरूप इसे विशिष्ट पहचान प्रदान करता है और इसलिए इसे बड़े पैमाने पर होने वाले सामान्यीकृत उत्पादन के साथ मात्रा के स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की आवश्यकता नहीं है। खादी की यात्रा—स्वदेशी और स्वतंत्रता का एक प्रतीक होने से लेकर समकालीन फैशन और जीवनशैली की पसंद, विशेषकर पर्यावरण के प्रति जागरूक नई पीढ़ी की - बनने तक यह दर्शाती है कि कैसे परंपरा स्वयं को बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं के अनुरूप ढाल सकती है। वास्तव में, निकट-स्रोत उत्पादन की परंपरा, जो अधिक सतत् है, खादी पारिस्थितिकी तंत्र की अंतर्निहित शक्ति है। 21वीं सदी में, केवीआईसी हमारे अधिदेश में माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान—"राष्ट्र के लिए खादी, फैशन के लिए खादी और परिवर्तन के लिए खादी"—से प्रेरणा लेते हुए कृषि, फाइबर और बाजार के बीच जुड़ाव को सुदृढ़ करने में योगदान दे रहा है।

यह ध्यान देने योग्य बात है कि हाथ से कताई, खादी और हथकरघा के बीच प्रमुख अंतरकारी विशेषता है। चूंकि सूत भी हाथ से तैयार किया जाता है, इसलिए उत्पादन की श्रम-प्रधान प्रकृति बड़ी संख्या में लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करती है। वितरित व्यवस्था के तहत तैयार किए गए हस्तनिर्मित लच्छों के एकत्रीकरण का कार्य करने वाली खादी संस्थाओं को पिछले सात दशकों से खादी और ग्रामोद्योग द्वारा सहायता प्रदान की जाती रही है। केवीआईसी के विभागीय और गैर-विभागीय प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से कौशल विकास और कौशल उन्नयन के ज़रिए क्षमता वृद्धि की जा रही है। देश की दो-तिहाई ग्रामीण आबादी को देखते हुए, इस क्षेत्र का विशेष महत्व है, क्योंकि यह ग्रामीण उद्यमियों के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराता है। इस प्रकार के हस्तक्षेप जमीनी स्तर पर लोगों के लिए आय सृजन के अवसर पैदा करके सीधे एसडीजी 1 (गरीबी उन्मूलन) और एसडीजी 8 (सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास) को आगे बढ़ाते हैं। हाल के उपाय, जिनमें खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा अप्रैल 2025 से कताई और बुनाई की मजदूरी में वृद्धि, कार्य उपकरणों, कार्य परिस्थितियों और उपकरण संबंधी अवसंरचना में सुधार के लिए अतिरिक्त सहायता तथा विपणन संबंधी सुविधाओं को बेहतर बनाना शामिल है, कारीगरों की आय बढ़ाने और पारंपरिक आजीविकाओं को आकर्षक तथा आर्थिक रूप से सतत् बनाने पर दिए जा रहे जोर को और अधिक प्रदर्शित करते समय के साथ, विशेष रूप से पिछले एक दशक के दौरान, खादी और ग्रामोद्योग (वीआई) पारिस्थितिकी तंत्र को लगातार सुदृढ़ किए जाने के कारण कुल उत्पादन लगभग 4,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि बिक्री लगभग 8,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

आगे बढ़ते हुए, आरामदायक वस्त्र के रूप में पहचाना जाने वाला खादी अब नई श्रेणियों और फैशन स्टेटमेंट का रूप ले रहा है। इसका परिवर्तन खादी डेनिम, डिजाइनर साड़ियों और ब्राइडल वियर, आधुनिक शर्ट और ट्राउज़र्स और रेमंड तथा पीटर इंग्लैंड जैसी मुख्यधारा की ब्रांडों के संग्रहों के रूप में स्पष्ट दिखाई देता है। एमएसएमई मंत्रालय और वस्त्र मंत्रालय की संयुक्त पहल के रूप में स्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर खादी (निफ्ट, दिल्ली) ने परिधानों की विभिन्न श्रेणियों, प्रिंट, बुनाई, कढ़ाई और पेंटिंग से युक्त घरेलू उत्पादों के संग्रह तथा साड़ी डिजाइनों सहित 2,129 खादी डिजाइन संग्रह विकसित किए हैं और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर खादी नॉलेज पोर्टल के माध्यम से खादी संस्थानों/इच्छुक उद्यमियों को सक्षम बनाने का कार्य जारी रखा है। शिशु परिधानों के क्षेत्र में हमारा प्रवेश इस तथ्य से प्रेरित है कि वैश्विक शिशु और बच्चों के कपड़ों का सेगमेंट बाजार के साल 2030 तक 60 अरब डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है (सीएजीआर 5–8.1 प्रतिशत के बीच), और इसमें जैविक कपास, हाइपोएलर्जेनिक कपड़ों तथा गैर-विषाक्त विनिर्माण प्रक्रियाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। 21वीं सदी के भारत के लिए ब्रांड की स्थिति को प्रतिबिंबित करने वाले नवयुग खादी डिजाइनों को प्रगति मैदान स्थित राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय एवं हस्तकला अकादमी में खादी नॉलेज पोर्टल के साथ लॉन्च किया गया। इनमें 710 नए उत्पाद शामिल हैं, जो समकालीन और नवोन्मेषी तरीके से "नए भारत की नई खादी" को प्रस्तुत करते हैं। सभी आयु वर्गों के लोगों, जेन ज़ी से लेकर दिल से युवा लोगों तक, को आकर्षित करने के लिए हाल ही में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वेलनेस/योग वियर का संग्रह 'स्वधा' भी लॉन्च किया गया है।

खादी में रोजगार सृजन के लिए बहुत कम निवेश की आवश्यकता होती है। खादी विकास योजना, ग्रामोद्योग विकास योजना, पीएमईजीपी जैसी योजनाओं के माध्यम से सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे केवीआई संस्थानों/इकाइयों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सक्षम बनाया जा रहा है। सरकार वित्तीय सहायता, कार्यशील पूंजी की सुविधा, गुणवत्तापूर्ण कच्चे माल की सहायता, प्रशिक्षण, टूल-किट, मजदूरी क्षतिपूर्ति, विपणन सहायता, डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और सामाजिक सुरक्षा लाभों सहित सभी आवश्यक सहायता प्रदान करके पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित करने के लिए बड़े स्तर पर प्रयास कर रही है। अहमदाबाद स्थित ईडीआईआई द्वारा किए गए मूल्यांकन अध्ययन के अनुसार, जिसकी रिपोर्ट जनवरी 2026 में प्रस्तुत की गई, सभी योजनाओं के तहत 75 प्रतिशत से अधिक कारीगरों ने हस्तक्षेप के बाद अपनी आय में मापनीय वृद्धि बताई और उन कारीगरों के लिए वर्षभर का स्थायी रोजगार सृजित हुआ, जो पहले मौसमी या प्रवासी श्रम पर निर्भर थे। इससे वास्तव में श्रमिकों के पलायन को कम करने में मदद मिली। खाद्य प्रसंस्करण, अगरबत्ती और हनी मिशन के तहत प्रशिक्षित कारीगर सुगंधित तेल, सुगंधित मोमबत्तियों या मूल्यवर्धित शहद उत्पादों जैसे नए उत्पादों की श्रेणियों में विविधता लेकर आए हैं। इस विविधीकरण से स्थानीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव के प्रति वे अधिक सुदृढ़ हुए हैं।

खादी महिला सशक्तीकरण की दिशा में सीधे योगदान देती है और इस प्रकार समावेशी विकास के उद्देश्य के अनुरूप है। लगभग पांच लाख खादी कारीगरों में से करीब 80 प्रतिशत महिलाएं हैं। अध्ययन के अनुसार, जीवीवाई योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी अधिक पाई गई, विशेष रूप से अगरबत्ती, हस्तनिर्मित कागज, हनी मिशन और सेवा उद्योग क्षेत्रों में। इसलिए, इस क्षेत्र में किसी भी रूप में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी ने उनके लिए सीधा पारिश्रमिक सुनिश्चित किया है, जिससे उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता और अपने घरों के भीतर तथा बाहर बढ़े हुए आत्मसम्मान के माध्यम से सशक्त बनाया जा रहा है। महिलाओं को उत्पादक आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने में सक्षम बनाकर, खादी सीधे एसडीजी 5 (स्त्री-पुरुष समानता) में योगदान देती है और साथ ही एसडीजी 10 (असमानताओं में कमी) के तहत सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को कम करने में भी सहायता करती है।

हस्तनिर्मित उद्योग की वैश्विक मांग बढ़ रही है और इसमें निर्यात की अपार संभावनाएं हैं, जिनका दोहन किया जाना आवश्यक है। पारंपरिक हस्तनिर्मित उत्पादों की विशाल मात्रा और विविधता के साथ भारत विश्व में एक अपरिहार्य स्थान रखता है। वैश्विक हथकरघा उत्पादन का 85 प्रतिशत भारत में होता है और इस 'अंतर्निहित मूल्य' का लाभ उठाकर 'अधिक प्रतिफल' प्राप्त किया जा सकता है। श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश, कंबोडिया और इंडोनेशिया जैसे अन्य हथकरघा देश बहुत सीमित श्रेणी के उत्पादों का निर्माण करते हैं, लेकिन ये मुख्य रूप से घरेलू उत्पादन के लिए होते हैं। भारत में अपनी जनसांख्यिकीय बढ़त और विविध सांस्कृतिक विरासत के आधार पर खादी और हथकरघा उत्पादों की वैश्विक मांग को पूरा करने की अपार क्षमता है। दुनिया भर के उपभोक्ता हस्तनिर्मित, स्रोत का पता लगाने योग्य, प्राकृतिक और पर्यावरण की दृष्टि से जिम्मेदार उत्पादों में बढ़ती रुचि दिखा रहे हैं। यह खादी और हस्तनिर्मित उत्पादों को केवल पारंपरिक वस्तुओं के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे प्रीमियम उत्पादों के रूप में पुनर्स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है, जो प्रामाणिकता, शिल्प कौशल की समृद्ध विरासत और सततता को दर्शाते हैं। विदेश मंत्रालय के अंतर्गत अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास के ट्रेड पोर्टल पर केवीआईसी ने ईपीसी के रूप में पंजीकरण कराया है। केवीआईसी ने प्रगतिशील खादी संस्थानों को ईएक्सआईएम (एक्सिम) लाइसेंस के साथ पंजीकृत कराने की प्रक्रिया शुरू की है और अपनी क्षमताओं से परिचित कराने के लिए भारत स्थित वाणिज्य दूतावासों के साथ भी संपर्क स्थापित किया है, जिससे संपर्क सेतु बनाने में सहायता मिलेगी।

जहाँ एक ओर, खादी की अपनी पहचान है, वहीं हमारे उत्पादकों और मूल्य श्रृंखलाओं के संरक्षण के लिए अन्य देशों में ट्रेडमार्क पंजीकृत कर ब्रांड को सुरक्षित किया जा रहा है। इसके अलावा, विशिष्ट ब्रांडिंग और भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग के तहत हाल ही में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) को पोंडुरु खादी के लिए जीआई टैग प्रदान किया गया है, जिससे विशिष्ट कपास तथा समान रूप से विशिष्ट प्रक्रिया से काते और बुने गए उत्पादों के लिए मूल्य प्राप्ति में वृद्धि होगी। इस वर्ष आगरा में आयोजित प्रथम ब्रिक्स एमएसएमई फोरम में जीआई-टैग प्राप्त पोंडुरु खादी, भारत कस्तूरी कॉटन, बंगाल मलमल और प्राकृतिक रंग वाले कपास उत्पादों सहित विशिष्ट और प्रीमियम उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।

हमें नई पीढ़ी के जेन ज़ी ग्राहकों को आकर्षित करने, उन्हें बनाए रखने तथा ऐसे विशिष्ट उत्पादों से अधिक मूल्य प्राप्त करने के लिए अपने उत्पादों में गुणवत्ता और आश्वासन सुनिश्चित करना होगा। इसी दिशा में, विभाग के केंद्रीय स्लाइवर संयंत्र (सीएसपी), जो लगभग साढ़े तीन दशक पहले स्थापित किए गए थे, का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। वर्तमान में संचालित पांच सीएसपी में से कर्नाटक के चित्रदुर्ग और केरल के कुट्टूर स्थित संयंत्रों का आधुनिकीकरण पूरा हो चुका है और वे संचालन में हैं। कर्नाटक स्थित स्लाइवर संयंत्र अपनी 50 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकता के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग करता है, जबकि उत्पादन को पूरी तरह पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए पवन ऊर्जा के उपयोग की संभावनाएं तलाश की जा रही हैं। यह दृष्टिकोण एसडीजी 9 (उद्योग, नवाचार और अवसंरचना) के अनुरूप है, क्योंकि इसके माध्यम से पारंपरिक उद्यमों को डिजाइन, प्रौद्योगिकी, आधुनिक बाजारों और विकसित होती आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ा जा रहा है। खादी संस्थानों की उत्पादन अवसंरचना के प्रौद्योगिकी उन्नयन तथा प्रौद्योगिकी-आधारित साझा सुविधा केंद्रों (सीएफसी) का प्रस्ताव ग्रामोद्योग समूहों को साझा अवसंरचना और आधुनिक प्रसंस्करण सुविधाओं के माध्यम से सुदृढ़ करने के लिए किया गया है। केवीआईसी मूल्य श्रृंखलाओं में ट्रेसेबिलिटी समाधान सक्षम कर रहा है, जिससे परंपरा के साथ आईटी के एकीकरण में सहायता मिलेगी और उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र की ओर नई पीढ़ी की रुचि भी आकर्षित होगी।

अंततः, लेकिन महत्वपूर्ण रूप से, कुटीर उद्योग अपनी ऊर्जा दक्षता तथा जल दक्षता के चलते और प्राकृतिक रेशों/रंगों का उपयोग करने की वजह से प्रकृति से ही पर्यावरण के अनुकूल है। खादी एक पर्यावरण-अनुकूल वस्त्र है, जिसका कार्बन फुटप्रिंट बहुत कम है और जो पर्यावरण की दृष्टि से सतत् है। इसका मापन अग्रणी संस्थानों (आईआईटी, आईआईएम) द्वारा किया जा रहा है, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पीढ़ी के उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद तथा ब्रांड प्रचार संबंधी संदेश में इन पहलुओं को उचित रूप से शामिल किया जा सके। हाल के समय में विश्व की अर्थव्यवस्थाओं का ध्यान अधिक व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ ऐसी पहलों की ओर केंद्रित हुआ है, जिनके माध्यम से आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक और पर्यावरणीय सरोकारों वाले विकास को भी सुनिश्चित किया जा सके। पर्यावरण संबंधी गंभीर चिंताओं, बढ़ती असमानताओं, भूख और गरीबी तथा संसाधनों के असमान वितरण के मद्देनजर भौतिक विस्तार के नैतिक पहलुओं ने नीति निर्माताओं का ध्यान आकर्षित किया है। वर्ष 2015 में विश्व के देशों द्वारा अपनाए गए सतत् विकास के 17 लक्ष्यों वाले 2030 एजेंडा में गरीबी उन्मूलन, पर्यावरणीय संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और वितरणात्मक सामाजिक न्याय पर आधारित विकास हासिल करने के लिए कार्रवाई की दिशा रेखांकित की गई है। केवीआईसी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआईआरसीओटी) के सहयोग से प्राकृतिक रंग वाले कपास की किस्मों के विकास के उद्देश्य से पहलों की सक्रिय रूप से संभावनाएं तलाश रहा है। यह दृष्टिकोण पर्यावरण-अनुकूल पद्धतियों के अनुरूप है, क्योंकि इससे पारंपरिक रंगाई प्रक्रियाओं में होने वाले जल के उपयोग, रासायनिक प्रदूषण और ऊर्जा की खपत को कम किया जा सकता है। इसलिए, इस क्षेत्र को बढ़ावा देना उचित होगा, क्योंकि इसमें सतत् आजीविका के समाधान उपलब्ध कराने की क्षमता है। ऐसे समय में, जब फैशन उद्योग पर अपशिष्ट, प्रदूषण और अत्यधिक संसाधन खपत की समस्या से निपटने का दबाव बढ़ रहा है, खादी एक वैकल्पिक दर्शन प्रस्तुत करती है—सोच-समझकर उत्पादन करना, जिम्मेदारी से उपभोग करना और प्रत्येक उत्पाद के पीछे के कौशल को महत्व देना। वास्तव में, कोई भी ऐसा रेशा या फिलामेंट, जिसे उसकी प्रकृति (जैसे प्लास्टिक रैपर) और/या लंबाई (जैसे देसी कपास) के कारण मशीनी कताई उद्योग द्वारा सूत में परिवर्तित नहीं किया जा सकता, उसे हाथ के चरखे के माध्यम से सूत में बदला जा सकता है और इस प्रकार 'लूप में' तथा 'लूप से बाहर' रीसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग को सक्षम बनाया जा सकता है। इससे हाथ से कताई में रोजगार की अतिरिक्त श्रेणियों में भी योगदान किया जा सकता है। यह खादी को सीधे एसडीजी 12 (जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन) और एसडीजी 13 (जलवायु कार्रवाई) से जोड़ता है। जिम्मेदार कपास की खेती सहित सतत् कृषि पद्धतियां अधिक सतत् ग्रामीण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर एसडीजी 2 (शून्य भूख) और एसडीजी 15 (भूमि पर जीवन) में इसके योगदान को और मजबूत कर सकती हैं। इन संभावनाओं के साथ, निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन से मानव समाज के लिए जिम्मेदारीपूर्वक आपूर्ति करने वाली आपूर्ति श्रृंखलाएं और अधिक मजबूत, गहरी और व्यापक होती रहेंगी।

व्यापक संदेश बिल्कुल सीधा सा है; सततता हमेशा केवल नवीनतम प्रौद्योगिकी से ही नहीं आती। कभी-कभी यह उन प्रथाओं से भी उभर सकती है, जिन्हें समुदायों ने सदियों से संरक्षित रखा है और जिन्हें आधुनिक समाज अब फिर से खोज रहा है। खादी बिल्कुल ऐसी ही एक संभावना का प्रतिनिधित्व करती है। यह विरासत को नवाचार के साथ, रोजगार को उद्यमिता के साथ, महिला सशक्तीकरण को सामाजिक समावेशन के साथ तथा आर्थिक गतिविधि को पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ जोड़ती है। केवीआईसी में हम उस जादू को खोजने, उसके रहस्यों को उजागर करने, उसे फिर से स्थापित और सुदृढ़ करने का प्रयास कर रहे हैं, जिसे कताई-बुनाई करने वाले हमारे धागों के कलाकार पर्यावरण के प्रति जागरूक दुनिया के लिए बुन रहे हैं। **(पीआईबी)**

(सुश्री रूप राशि, केवीआईसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं और डॉ. नितेश धवन, केवीआईसी, मुंबई के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं।)

एंड पिक्चर्स पर 'गिन्नी वेड्स सनी 2' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर आज शाम 7:30 बजे

मुंबई (दैनंदिनी)। जब बिल्कुल अलग स्वभाव के दो लोग शादी के बंधन में बंध जाते हैं, तो हँसी, उलझनों और सरप्राइज़ से भरा सफर तय मानिए। प्यार, झूठ और सेकंड चांस से सजी इस दिल छू लेने वाली कॉमेडी का आनंद लीजिए 'गिन्नी वेड्स सनी 2' के वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर में, 16 अक्टूबर को शाम 7:30 बजे, सिर्फ एंड पिक्चर्स पर।



प्रशांत झा द्वारा निर्देशित इस रोमांटिक कॉमेडी में अविनाश तिवारी 'सनी' की भूमिका में नज़र आएँगे, जो एक छोटे शहर का पहलवान है और अपने लिए दुल्हन ढूँढने में संघर्ष कर रहा है। वहीं, मेधा शंकर ने 'गिन्नी' का किरदार निभाया है, जो दिल्ली की एक बेफिक्र और ज़िंदादिल लड़की है, जिसकी आज़ाद सोच उसके परिवार की चिंता का कारण बनती है। रिश्ता तय करने के लिए दोनों अपनी सच्चाई को थोड़ा तोड़-मरोड़कर पेश करते हैं, लेकिन शादी के बाद जब असलियत सामने आती है, तब शुरू होता है हँसी और ड्रामे से भरपूर असली बवाल। अलग-अलग स्वभाव, छुपे हुए राज़ और दखल देने वाले रिश्तेदार उनकी शादीशुदा ज़िंदगी को एक रोलर-कोस्टर में बदल देते हैं।

छोटे शहरों की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म ऐसे समाज को खूबसूरती से दर्शाती है जो बदलाव के दौर से गुजर रहा है। एक ओर नई पीढ़ी आधुनिक सपनों और महत्वाकांक्षाओं को अपनाना चाहती है, वहीं दूसरी ओर परंपराओं और सामाजिक अपेक्षाओं की जकड़न से पूरी तरह मुक्त हो पाना आसान नहीं है। यही द्वंद्व फिल्म को कई ऐसे पल देता है, जो हास्यपूर्ण, भावनात्मक और बेहद सहज महसूस कराने वाले हैं।

जहाँ अविनाश और मेधा अपने मुख्य किरदारों में शानदार प्रदर्शन करते हैं, वहीं फिल्म की ताकत इसकी प्रभावशाली सहायक कलाकार मंडली भी है। हर कलाकार ने अपनी भूमिका को यादगार बनाया है और कहानी को और अधिक जीवंत तथा विश्वसनीय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

अविनाश तिवारी ने कहा, "गिन्नी वेड्स सनी 2 मेरे लिए एक मज़ेदार और रोमांचक सफर रहा है। सनी एक ऐसा किरदार है, जिसकी अपनी अलग खूबियाँ, कमियाँ और भावनाएँ हैं और उसे निभाते हुए मुझे एक अभिनेता के रूप में अपने व्यक्तित्व के एक नए पहलू को तलाशने का मौका मिला। यह फिल्म रोमांस, कॉमेडी और ड्रामा का ऐसा संगम है, जो इसे बेहद मनोरंजक बनाता है। मुझे खुशी है कि अब दर्शक इस कहानी का आनंद एंड पिक्चर्स पर ले सकेंगे।"

मेधा शंकर ने कहा, "गिन्नी एक ज़िंदादिल, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी लड़की है, जो अपने दिल और दिमाग की बात बखूबी जानती है। उसके किरदार की दुनिया में कदम रखना मेरे लिए एक बेहद खूबसूरत अनुभव रहा। इस फिल्म की सबसे खास बात मुझे यह लगी कि यह हास्य, भावनाओं और रिश्तों के बीच बहुत सुंदर संतुलन बनाती है। कहानी में कई अप्रत्याशित मोड़ हैं, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक गिन्नी और सनी के इस सफर का उतना ही आनंद लेंगे, जितना हमें इसे पर्दे पर जीवंत करने में आया।"

निर्देशक प्रशांत झा ने कहा, "गिन्नी वेड्स सनी 2 के साथ हम एक ऐसी कहानी लेकर आना चाहते थे, जिसमें रोमांस, कॉमेडी और रिश्तों के साथ आने वाली तमाम उलझनों का खूबसूरत मेल हो। यह फिल्म हल्के-फुल्के और मनोरंजक पलों के साथ-साथ भावनात्मक उतार-चढ़ाव और पारिवारिक रिश्तों की जटिलताओं को भी बखूबी पेश करती है, जो इसे दर्शकों के लिए सहज और प्रासंगिक बनाते हैं। अविनाश और मेधा के साथ काम करना बेहद सुखद अनुभव रहा। इसके अलावा सुधीर पांडे, लिलेट दुबे और पूरी कलाकार मंडली ने अपनी गर्मजोशी, ऊर्जा और संवेदनशीलता से फिल्म को और भी जीवंत बना दिया। मैं उत्साहित हू कि अब दर्शक इस फिल्म का आनंद एंड पिक्चर्स पर ले सकेंगे।"

हास्य और भावनाओं का शानदार संगम पेश करती यह फिल्म पूरे परिवार के लिए शुक्रवार शाम को और भी मनोरंजनदायक बना देती है।

देखना न भूलें 'गिन्नी वेड्स सनी 2' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर, शुक्रवार, 16 अक्टूबर को शाम 7:30 बजे, सिर्फ एंड पिक्चर्स पर।

घने जंगलों के बीच दंतेवाड़ा-सुकमा सीमा पर बसे 228 घरों तक पहुंचा नल से जल

रायपुर ■ दैनन्दिनी



दंतेवाड़ा और सुकमा जिले की सीमा पर घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच बसे एडपाल और डोडपाल गांवों के 228 परिवारों को अब घर पर ही नल से पेयजल मिल रहा है। जल जीवन मिशन से इन दूरस्थ गांवों में वर्षों से चली आ रही पानी की समस्या दूर हुई है। पहले ग्रामीणों को पेयजल के लिए हैंडपंप पर निर्भर रहना पड़ता था। अब घर-घर नल कनेक्शन मिलने से विशेष रूप से महिलाओं की दिनचर्या आसान हुई है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीण जीवन में आए बदलाव की यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

एडपाल के 137 और आश्रित ग्राम डोडपाल के 91 घरों में नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध

दंतेवाड़ा जिला मुख्यालय से लगभग 65 किलोमीटर दूर कटेकल्याण विकासखंड की ग्राम पंचायत एडपाल के 137 और उसके आश्रित ग्राम डोडपाल के 91 घरों में जल जीवन मिशन के तहत नल से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। दोनों गांवों को 'हर घर जल ग्राम' का दर्जा भी मिल चुका है।

पानी लाने की मशक्कत से मिली मुक्ति

घर तक पानी पहुंचने का सबसे अधिक लाभ महिलाओं को मिला है। पहले गर्मी और बरसात के दिनों में भी उन्हें पानी के लिए घर से दूर जाना पड़ता था। इसमें सुबह का काफी समय बीत जाता था। अब पानी लाने की मशक्कत से राहत मिलने के साथ घरेलू कामकाज, बच्चों की देखभाल और आजीविका संबंधी गतिविधियों के लिए अधिक समय मिल रहा है।

पानी की चिंता हुई दूर

एडपाल की वार्ड पंच बुदरी मंडावी और ग्रामीण महिला जोगी मरकाम बताती हैं कि घर में नल लगने से पानी की चिंता दूर हुई है। महिलाएं अब सब्जी बाड़ी, वनोपज संग्रहण और खेती-किसानी के कामों में अधिक समय दे पा रही हैं। बच्चों को भी पानी लाने में समय लगाने के बजाय पढ़ाई के लिए पर्याप्त समय मिल रहा है।

पानी की शुद्धता भी जांच रही गांव की महिलाएं

इन गांवों में पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने की जिम्मेदारी भी महिलाओं ने संभाली है। इसके लिए गठित 'जल वाहिनी' समूह की प्रशिक्षित महिलाएं फील्ड टेस्ट किट से पानी की नियमित जांच कर रही हैं। इससे ग्रामीणों में स्वच्छ पेयजल के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ जलजनित बीमारियों से बचाव के प्रयासों को भी बल मिल रहा है।

पूरे परिवार की रोजमर्रा जिंदगी हुई आसान

डोडपाल में आयोजित 'ग्राम जल उत्सव' में ग्रामीणों ने घर-घर पेयजल सुविधा मिलने पर खुशी जताई। जल जीवन मिशन से दूरस्थ वनांचल के गांवों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचने से महिलाओं और बच्चों सहित पूरे परिवार की रोजमर्रा की जिंदगी आसान हो रही है।

अवैध खनिज परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई, 10 वाहन पकड़े गए

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश पर जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत खनिज उड़नदस्ता दलों ने विभिन्न स्थानों पर जांच कर अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त कुल 10 वाहनों को जब्त किया है। कोटमर्रा में रेत का अवैध भंडारण पाए जाने पर उसे भी जब्त किया गया।

खनिज विभाग के अनुसार, पाली में रेत और ईंट का अवैध परिवहन करते 4 ट्रैक्टर, हरदीबाजार में रेत और ईंट का परिवहन करते 3 ट्रैक्टर तथा गिट्टी का परिवहन करते 1 हाइवा पकड़ा गया। दीपका में गिट्टी का अवैध परिवहन करते 1 ट्रेलर और उरगा में रेत का परिवहन करते 1 ट्रैक्टर पर कार्रवाई की गई। जब्त वाहनों को हरदीबाजार, दीपका और पाली थानों तथा हरदीबाजार खनिज जांच चौकी की अभिरक्षा में रखा गया है। प्रकरणों में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

खनिज विभाग ने बताया कि अभियान का उद्देश्य अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करना तथा शासकीय राजस्व की हानि रोकना है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध खान एवं खनिज अधिनियम, छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम और अन्य वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की समीक्षा बैठक संपन्न

रायपुर ■ दैनन्दिनी



मंत्रालय महानदी भवन में आज मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अंतर्गत राज्य शहरी विकास अभिकरण द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 और 1.0 के क्रियान्वयन एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य शीघ्रता से पूरा किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि जो हितग्राही अपने आवास का निर्माण कार्य जल्द पूरा कर रहे हैं, उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित किया जाए।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0-प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0: बैठक में लाभार्थी आधारित निर्माण (BLC) घटक के तहत चल रही आवास निर्माण परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके साथ ही, भागीदारी में किफायती आवास (AHP) घटक के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं के निर्माण स्थल में परिवर्तन के प्रस्ताव पर भी विचार-विमर्श किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0-इस योजना के तहत लाभार्थी आधारित आवास निर्माण घटक के अंतर्गत पूर्व स्वीकृत परियोजनाओं की कटौती के बाद संशोधित परियोजनाओं की स्वीकृति के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई

। नगरीय प्रशासन विभाग के विभिन्न अन्य प्रस्तावों को भी बैठक में स्वीकृति प्रदान की गई। नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बैठक में जानकारी दी कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत कुल 2,43,087 मकान स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 2 लाख 25, हजार 411 आवास पूरी तरह से पूर्ण हो चुके हैं। 17 हजार 368 आवासों का निर्माण कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। वहीं, बीएलसी घटक के अंतर्गत स्वीकृत 2 लाख 6 हजार 118 मकानों में से 1 लाख 96 हजार 144 मकान पूर्ण हो चुके हैं और 9 हजार 666 आवासों का निर्माण विभिन्न चरणों में जारी है। बैठक में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (राज्य शहरी विकास अभिकरण) श्री सुमित अग्रवाल सहित ऊर्जा, वित्त, आवास एवं पर्यावरण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगर तथा ग्राम निवेश, हाउसिंग बोर्ड, हुडको और राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को जन्मदिन की बधाई देने पहुंचे पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज राजधानी रायपुर के शंकर नगर स्थित निवास पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह से आत्मीय भेंट कर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मंत्री श्री अग्रवाल ने डॉ. रमन सिंह के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, सुख-समृद्धि एवं खुशहाल जीवन की मंगलकामना की। पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने संस्कृत के मंगलवाक्य 'जीवेत शरदः शतम्' के साथ डॉ. रमन सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ईश्वर उन्हें स्वस्थ, सुदीर्घ एवं यशस्वी जीवन प्रदान करें। वे इसी प्रकार जनसेवा, समाज कल्याण और छत्तीसगढ़ की प्रगति के लिए निरंतर कार्य करते रहें तथा उनका स्नेह, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन हम सभी को मिलता रहे। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि डॉ. रमन सिंह का लंबा राजनीतिक एवं प्रशासनिक अनुभव छत्तीसगढ़ के लिए एक महत्वपूर्ण धरोहर है। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में जनसेवा, सुशासन और प्रदेश के सर्वांगीण विकास को सदैव प्राथमिकता दी है।



मुख्यमंत्री के रूप में उनके लंबे कार्यकाल में प्रदेश के विकास को नई दिशा मिली और विभिन्न जनकल्याणकारी पहलों के माध्यम से आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयास किए गए। श्री अग्रवाल ने कहा कि डॉ. रमन सिंह का सरल, सहज एवं आत्मीय व्यक्तित्व तथा जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सार्वजनिक जीवन में कार्य करने वाले सभी लोगों के लिए प्रेरणादायी है। उनका अनुभव, दूरदर्शिता और मार्गदर्शन प्रदेश की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष के रूप में वे लोकतांत्रिक परंपराओं, संसदीय मर्यादाओं एवं संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। पर्यटन मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों का अनुभव और मार्गदर्शन नई पीढ़ी के जनप्रतिनिधियों को जनसेवा के प्रति और अधिक समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। डॉ. रमन सिंह का स्नेह और मार्गदर्शन सदैव प्रेरणास्रोत रहा है। श्री अग्रवाल ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि डॉ. रमन सिंह के जीवन में सदैव सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहे। वे स्वस्थ एवं दीर्घायु रहकर छत्तीसगढ़ की जनता की सेवा करते रहें और प्रदेश को उनके अनुभव एवं मार्गदर्शन का लाभ निरंतर मिलता रहे।

कुपोषण और एनीमिया से मुक्ति के लिए छत्तीसगढ़ में शुरू होगा हर-घर मुनगा, घर-घर मुनगा अभियान

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राज्य में कुपोषण और एनीमिया जैसी गंभीर समस्याओं को जड़ से समाप्त करने के लिए एक महत्वाकांक्षी हर-घर मुनगा, घर-घर मुनगा अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में आज मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई।

मुनगा के औषधीय और पोषण संबंधी गुण-बैठक में बताया गया कि मुनगा (सहजन) की फलियों और पत्तियों में पोषक तत्वों का अपार भंडार होता है। इसमें आयरन, कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन-ए और विटामिन-सी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इसे नियमित भोजन में शामिल करने से कुपोषण और एनीमिया की रोकथाम में काफी मदद मिलती है, विशेषकर कुपोषित बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए यह बेहद फायदेमंद है।

अभियान की मुख्य रूपरेखा और निर्देश-अभियान के तहत राज्य के प्रत्येक घर में मुनगा के पौधे निःशुल्क वितरित किए जाएंगे और हर घर में इनका रोपण व देखभाल सुनिश्चित की जाएगी। नर्सरी में पौधों का तैयार होना उद्यानिकी, कृषि एवं किसान कल्याण तथा वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की नर्सरियों में मुनगा के पौधे तैयार किए जाएंगे। फरवरी से मार्च माह के दौरान इन्हें घर-घर वितरित कर रोपित किया जाएगा। सभी जिलों के कलेक्टर इसकी निगरानी करेंगे।

आंगनबाड़ी, स्कूल और छात्रावासों में लगाए जाएंगे मुनगा के पौधे-राज्य के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों, आश्रमों और छात्रावासों में भी मुनगा के पौधे निःशुल्क उपलब्ध कराकर लगाए जाएंगे। पौधों के रोपण, उनकी सुरक्षा और सिंचाई सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल जियो-टैगिंग और लाइव डैशबोर्ड मॉनिटरिंग पर विशेष जोर दिया जाएगा, ताकि हर पौधे के जीवित रहने की दर और पोषण स्तर पर सीधी नजर रखी जा सके। इस अभियान को सफल बनाने के लिए कई प्रमुख विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग इस अभियान का नोडल विभाग होगा, जो आंगनबाड़ी स्तर पर समन्वय, हितग्राही चयन, पोषण शिक्षा और दैनिक निगरानी करेगा। राज्य के करीब 23 हजार 500 स्कूलों में मुनगा पौधे का रोपण कर शाला पोषण वाटिका का निर्माण किया जाएगा.

रायगढ़ के छात्र कृष्ण अग्रवाल को 12वें राष्ट्रीय स्तरीय प्रदर्शनी एवं परियोजना प्रतियोगिता में मिला सम्मान

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ के होनहार छात्र कृष्ण अग्रवाल ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा और नवाचार से राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। रायगढ़ जिले के जिंदल पब्लिक स्कूल के छात्र कृष्ण अग्रवाल को नई दिल्ली में आयोजित 12वीं राष्ट्रीय स्तरीय प्रदर्शनी एवं परियोजना प्रतियोगिता (NLEPC-2026) में उनके अभिनव प्रोजेक्ट फ्लिप इलेक्ट्रिक आयरन फॉर चाइल्ड सेफ्टी (Flip Electric Iron For Child Safety) के लिए राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने उन्हें सम्मान प्रदान किया। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने छात्र कृष्ण अग्रवाल की इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विद्यार्थियों में प्रतिभा, रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच की अपार संभावनाएं हैं। कृष्ण अग्रवाल ने अपने उपयोगी नवाचार के माध्यम से यह साबित किया है कि हमारे विद्यार्थी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना सकते हैं। शिक्षा मंत्री ने कृष्ण के साथ उनके अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि कृष्ण अग्रवाल की सफलता छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों को विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे नवाचार समाज की वास्तविक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करने के साथ ही विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

बच्चों को गर्म इलेक्ट्रिक प्रेस से जलने से बचाएगा नवाचार-छात्र कृष्ण अग्रवाल ने 'Flip Electric Iron For Child Safety' नामक अभिनव मॉडल विकसित किया है। इसका उद्देश्य घरों में उपयोग होने वाली गर्म इलेक्ट्रिक प्रेस से छोटे बच्चों को जलने की दुर्घटनाओं से सुरक्षित रखना है। इस मॉडल में ऑटो-फ्लिप तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे प्रेस को छोड़ने पर उसका गर्म हिस्सा ऊपर की ओर हो जाता है। इसके साथ ही 30 सेकंड में स्वचालित रूप से बंद होने की सुविधा और चाइल्ड लॉक जैसी सुरक्षा व्यवस्थाएं भी शामिल की गई हैं। कम लागत में तैयार यह मॉडल घरेलू सुरक्षा की दृष्टि से उपयोगी साबित हो सकता है।

80 हजार नवाचार विचारों में से शीर्ष 62 में बनाई जगह-छत्तीसगढ़ से प्रस्तुत लगभग 80 हजार नवाचार विचारों में कृष्ण अग्रवाल के मॉडल का चयन शीर्ष 62 नवाचारों में हुआ। उनके प्रोजेक्ट को इंस्पायर मानक -2026 के संकलन में भी स्थान मिला है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत से जुड़ी इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों की वैज्ञानिक प्रतिभा और नवाचारों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित किया जाता है।

किसानों की आय बढ़ाने कृषि के साथ पशुपालन, मत्स्य पालन और उद्यानिकी गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

रायपुर ■ दैनन्दिनी



सरगुजा संभाग में किसानों की आय बढ़ाने और कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए परंपरागत खेती के साथ पशुपालन, मत्स्य पालन, कुक्कुटपालन, बकरीपालन और उद्यानिकी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। किसानों को खेती के साथ आय के अतिरिक्त स्रोत उपलब्ध कराने, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने तथा उपलब्ध कृषि संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संभाग स्तर पर समन्वित कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसी क्रम में सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने खरीफ 2026 एवं रबी 2026-27 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को योजनाओं का प्रभावी और समन्वित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अम्बिकापुर स्थित कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एवं सूरजपुर जिलों के कृषि, पशुधन विकास, उद्यानिकी और मत्स्य पालन विभाग सहित कृषि विज्ञान केंद्रों के अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त ने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए केवल फसल उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि कृषि के साथ सहायक आजीविका गतिविधियों को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और किसानों को योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाएं।

फसल विविधीकरण और पड़ती भूमि के उपयोग से बढ़ेगा कृषि उत्पादन

संभागायुक्त श्री दुग्गा ने खरीफ 2026 के क्षेत्राच्छादन, फसल विविधीकरण और रबी मौसम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए पड़ती भूमि का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि रबी मौसम में उपलब्ध नमी और सिंचाई संसाधनों का उपयोग कर अतिरिक्त क्षेत्र में खेती के लिए उपयुक्त फसलों का चयन किया जाए। धान आधारित फसल पद्धति में दलहन, तिलहन और उद्यानिकी फसलों को शामिल करने तथा किसानों को वैकल्पिक फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए गए।

राशन के दामों में बढ़ोतरी पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कसा तंज

रायपुर ■ दैनन्दिनी

लगातार बढ़ती महंगाई पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सप्ताह के पहले दिन से चावल, दाल, राशन सामग्री पर सरकार ने दाम बढ़ाए. पेट्रोल-डीजल महंगे हुए. आम जनता महंगाई की मार झेल रही है. आम-जनता के लिए यात्री बस किराए बढ़ाया गया. एक साल में दो बार 75 प्रतिशत से अधिक किराया बढ़ाया गया. महतारी वंदन के नाम से पैसा देकर आम जनता से सरकार पैसा वसूलने का काम कर रही है. धान खरीदी से पहले पटवारियों की हड़ताल पर दीपक बैज ने कहा कि पूरे प्रदेश में नवंबर महीने से धान खरीदी होना है. पटवारी हड़ताल पर चले गए हैं. सरकार को तत्काल बात कर हड़ताल को खत्म करना चाहिए. यह पहली बार नहीं हुआ है. पिछली बार भी ऐसा हुआ था. इसके कारण कई किसान धान नहीं बेच पाए थे. सरकार जानबूझ कर ऐसा कर रही है, ताकि धान खरीदना ना पड़े. कौशल्या माता धाम में भगवान राम की अब तक नई मूर्ति नहीं लगने पर दीपक बैज ने तंज कसते हुए कहा कि राम मंदिर के नाम से मंदिर बना लो. मंदिर में चढ़ावा चोरी कर लो. गौ माता के नाम से चारा खा लो. सरकार में यही चल रहा है. 15 साल भी यही चल रहा था. भगवान राम के नाम से यह चंदा चोरी करने वाले है.



क्यों नहीं लगा रहे हैं राम की मूर्ति-उन्होंने कहा कि भगवान राम और कौशल्या माता की चिंता क्या करेंगे. मूर्ति तैयार है, अभी तक मूर्ति क्यों नहीं लग रहे हैं. इनको जवाब देना चाहिए. हमारी सरकार में मूर्ति बदलने का निर्णय हुआ था, हमारी सरकार में मूर्ति तैयार की गई है. कोई मूर्ति गलत नहीं है. यह मूर्ति नहीं लगाना चाहते हैं. यह राम के नाम के राजनीति करते हैं. गौ माता के नाम पर राजनीति करते हैं. मंदिरों का चंदा चढ़ावा चोरी करना है, यही इनका धंधा है.

आदिवासी विरोध है सरकार-आदिवासी विभाग का नाम बदलने को लेकर दीपक बैज ने कहा कि सरकार लगातार आदिवासी हितों को दरकिनार कर कुचलने का काम कर रही है. एक आदिवासी मुख्यमंत्री और मंत्री मुंह पर पट्टी बांध कर बैठे हैं. आदिवासी विभाग को बदल कर जनजाति विभाग? इतनी नफ़रत क्यो है बीजेपी को आदिवासी समाज से. हम इसका पूरा विरोध करते है तत्काल निर्णय वापस ले. ये सरकार आदिवासी विरोधी है.

बिजली बिल को तत्काल कम करें-बिजली बिल पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि साल भर में दो-दो बार बिजली बिल बढ़ाया गया है. इस बार बिल में 600 से ₹1000 तक अतिरिक्त प्रभार जुड़ कर आया है.

रायगढ़ के रामभांठा में 75 लाख रुपये की लागत से बनेगा नया हाई स्कूल भवन, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने किया भूमिपूजन

शिक्षा की ताकत से ही मेरे जीवन में आया बदलाव

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने आज रायगढ़ के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामभांठा में 75 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नवीन हाई स्कूल भवन का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में उन्होंने उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि हर बच्चे को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी प्रतिबद्धता है। नया स्कूल भवन केवल एक इमारत नहीं, बल्कि क्षेत्र के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और उनके सपनों को साकार करने की मजबूत नींव बनेगा। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विद्यालय के शाला नायक सुमन के हाथों नवीन भवन का भूमिपूजन कराया। उन्होंने सुमन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन में इतनी ऊंचाई हासिल करें कि भविष्य में आप हमसे भी बड़े विकास कार्यों का भूमिपूजन करें। वित्त मंत्री के इस आत्मीय व्यवहार से विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल रहा। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने अपने जीवन के संघर्षों और शिक्षा के महत्व को साझा किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी व्यक्ति, समाज, प्रदेश और राष्ट्र की प्रगति का सबसे सशक्त माध्यम है। किसी भी देश के भविष्य को बेहतर बनाने में शिक्षा की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि मेरा जन्म रायगढ़ से लगभग 17 किलोमीटर दूर एक छोटे से गांव बायंग में हुआ था। जब मैं आठ वर्ष का था, तब मेरे पिता का निधन हो गया। मेरी माताजी केवल चौथी कक्षा तक पढ़ी हैं। इन कठिन परिस्थितियों के बावजूद शिक्षा ने मेरे जीवन को नई दिशा दी। शिक्षा की बदौलत मैं भारतीय प्रशासनिक सेवा में पहुंचा और आज रायगढ़ के विधायक तथा छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर मिला है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, मेहनत, लगन और शिक्षा के बल पर बड़े से बड़ा लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि वर्ष 2025 में रामभांठा विद्यालय को हाई स्कूल से उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के रूप में उन्नत किया गया। पहले यहां केवल दसवीं कक्षा तक पढ़ाई की सुविधा थी, लेकिन अब बारहवीं कक्षा तक शिक्षा की व्यवस्था होने से रामभांठा और आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बड़ी सहूलियत मिल रही है। उन्होंने कहा कि 75 लाख रुपये की लागत से बनने वाला नया भवन विद्यालय की अधोसंरचना को मजबूत करेगा और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और शैक्षणिक अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र में भी बच्चों को बेहतर शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विद्यालय के शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि समाज और राष्ट्र के भविष्य को संवारने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी शिक्षकों के हाथों में होती है। शिक्षक न केवल विद्यार्थियों को ज्ञान देते हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व, संस्कार और भविष्य का निर्माण भी करते हैं। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री चौधरी ने प्रतिभा सम्मान समारोह के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया और सभी बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने, बड़े सपने देखने तथा जीवन में ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में रायगढ़ नगर निगम के महापौर श्री जीवर्धन चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिखा रविंद्र गबेल, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी, नगर निगम सभापति श्री डिग्रीलाल साहू, स्थानीय जनप्रतिनिधि, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री नरेंद्र पटेल, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।



डामर का दाम बढ़ने से सड़कों का काम छोड़कर भागे ठेकेदार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

बिटुमिन (डामर) के दाम बढ़ने के बाद सड़क निर्माण में लगे ठेकेदारों ने काम बंद कर दिया था. स्थिति को देखते हुए पीडब्ल्यूडी ने ठेकेदारों के लिए रेट रिवाइज किया था, लेकिन नगरीय निकाय विभाग ने नहीं किया है. ऐसे में 15वें वित्त के पैसे से रायपुर की बनने वाली छह सड़क का काम रुकने के बाद अब रायपुर नगर पालिका निगम ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को दरों में बढ़ोतरी के लिए पत्र लिखा है. रायपुर नगर पालिका निगम ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को लिखे अपने पत्र में लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी आदेश का हवाला दिया है, जिसमें खाड़ी युद्ध जैसी उत्पन्न वैश्विक विपरीत परिस्थिति की वजह से बिटुमिन (डामर) के मूल्य में हुए अप्रत्याशित असाधारण वृद्धि के कारण डामरीकृत मार्गों के निर्माण, नवीनीकरण एवं संधारण हेतु अनुबंधित कार्यों को राज्यहित में शीघ्र पूर्ण कराने केन्द्र सरकार तथा अन्य राज्यों की भाँति, आंशिक राहत प्रदान करने राज्य सरकार ने निर्णय लिया गया था. पत्र में बताया गया है कि रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत डामरीकरण के विभिन्न कार्य प्रगतिरत है। इन कार्यों मे रायपुर शहर के कई मुख्य मार्ग है, जिनमे प्रतिदिन बड़ी संख्या में आम नागरिकों का आवागमन होता है. इनमें निर्माणाधीन छह सड़कों का हवाला देते हुए बताया कि इनमें से दो के कार्य शुरू नहीं हो पाए हैं.

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com